सुविचार

पर्वत कहता शीश उठाकर तुम भी ऊंचे बन जाओ, सागर कहता है लहराकर मन में गहराई लाओ।

–सोहनलाल द्विवेदी

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज

Published from Ranchi

Tripti Dimri Hopes People Are...

12

Ranchi • Friday, 02 January 2026 • Year : 04 • Issue : 345 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	85,188.60
निफ्टी	:	26,146.55

SARAFA

सोना	:	12,530
चांदी	:	256.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

खराबी के बावजूद उड़ी एयर इंडिया की फ्लाइट

NEW DELHI : नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के एक पायलट को तकनीकी खराबी वाला प्लेन उड़ाने के लिए शो–कॉज नोटिस जारी किया है। फ्लाइट एआई–358 और एआई–357 हैं। डीजीसीए के मुताबिक, विमान में पहले से कई तकनीकी खराबियां दर्ज थीं। इसके बावजूद विमान को ऑपरेट किया गया। डीजीसीए ने पायलट का नाम नहीं बताया है। यह नोटिस कब भेजा गया, इसकी जानकारी भी सामने नहीं आई है। डीजीसीए के मुताबिक एआई–358 के दौरान लेफ्ट एयर साइकिल मशीन और पैक मोड से जुड़ी चेतावनी मिली। साथ ही आर–2 दरवाजे के पास धुएं जैसी गंध की शिकायत भी हुई। फिर भी विमान ऑपरेट किया गया। इसी सिस्टम से जुड़ी खराबियां पहले की 5 उड़ानों में भी दर्ज की गई थीं।

भारत-नेपाल सीमा से तीन बांग्लादेशी समेत चार अरेस्ट

MOTIHARI : बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल स्थित भारत–नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन बांग्लादेशी नागरिक है। जबकि चौथा युवक इनके सहयोगी भारतीय नागरिक है। जो उन्हें सीमा पार कराने में मदद कर रहा था। एसएसबी के अधिकारियो के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी,कि भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में कुछ संदिग्ध लोग मौजूद है,जो सीमा पार करने के फिराक में है। चारों संदिग्धों से पूछताछ की गई तो यह सामने आया कि पकड़े गए चार में से तीन बांग्लादेशी नागरिक हैं, जबकि एक भारतीय युवक है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान मोहम्मद शाहिनुर, मोहम्मद सोबुज और मोहम्मद फिरोज के रूप में की गई है। जबकि सीमा पार में सहयोग करने वाला भारतीय युवक की पहचान मोहम्मद सरफराज अंसारी के रूप में हुई है।

इसी महीने होगा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन

NEW DELHI : भारतीय रेलवे के वंदे भारत ट्रेन सेट का स्लीपर संस्करण बन कर तैयार हो गया है और इसका उद्घाटन इसी माह होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां घोषणा की कि इस माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी और हावड़ा के बीच इस ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन दोनों दिशाओं में शाम को चल कर अगले दिन एकदम सुबह गंतव्य स्थान पर पहुंच जाएगी। इस 16 कोच वाली ट्रेन में 11 कोच एसी–3 के, 4 कोच एसी–2 और एक कोच एसी–1 के होंगे। ट्रेन में कुल 823 यात्रियों की क्षमता होगी। एक एसी–3 कोच में 56, एक एसी–2 में 47 और एसी–1 में 24 यात्री सवार हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी से चलने वाली गाड़ी में असमिया भोजन और कोलकाता (हावड़ा) से चलने वाली गाड़ी में बंगाली खाना परोसा जाएगा। खाने के लिए नए स्थानीय वेंडरों को अनुबंधित किया जाएगा।

नए साल के पहले सूरज के साथ राजधानी में उमंग की तरंग

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को राजधानी रांची में नए साल का स्वागत उत्साह, उमंग और श्रद्धा के साथ किया गया। नए साल के पहले दिन शहर के प्रमुख पर्यटन, धार्मिक और मनोरंजन स्थलों पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राजधानी के पहाड़ी मंदिर, जगन्नाथपुर मंदिर, दिउड़ी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह से ही पूजा-अर्चना, हवन और आरती का दौर चलता रहा। नए साल के जश्न को लेकर रांची के प्रमुख पर्यटन स्थलों और पिकनिक स्पॉट्स पर भी रौनक बनी रही। दशम फॉल, हुंडरू फॉल, बिरसा जू, रॉक गार्डन और शहर के पार्कों में युवाओं और परिवारों की भारी भीड़ देखने को मिली।

जमकर मना 2026 का जश्न, पर्यटन स्थलों पर उमड़ी भीड़, मंदिरों में सुबह से लगी रही भक्तों की कतार

अन्य धार्मिक स्थलों पर भी जुटे श्रद्धालु, पार्कों, डैमों व झरनों के पास म्यूजिक की धुन पर युवाओं ने किया डांस

दशम फॉल, हुंडरू फॉल, बिरसा जू, रॉक गार्डन और शहर के पार्कों में उमड़ी लोगों की भारी भीड़, पहाड़ी मंदिर, जगन्नाथपुर मंदिर, दिउड़ी मंदिर में भी श्रद्धालुओं का लगा रहा तांता

सभी प्रमुख जगहों पर रही पुलिस की तैनाती

नए साल को लेकर प्रशासन भी अलर्ट मोड पर रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रमुख चौक–चौराहों, पर्यटन स्थलों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में देखने को मिला खासा उत्साह

लोग म्यूजिक की धुन पर झूमते–नाचते नजर आए और एक–दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं देते दिखे। वहीं कई जगहों पर लोग पकवान भी बनाते नजर आए। कई जगहों पर स्थानीय कलाकारों और युवाओं ने डीजे और म्यूजिक सिस्टम के साथ नए साल का जश्न मनाया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह देखने को मिला।

तेज रफ्तार का कहर : शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा

कार ने दो पुलिसकर्मियों को रौंदा, दारोगा की मौत

PHOTON NEWS DUMKA : दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इसमें ड्यूटी पर तैनात सब-इंस्पेक्टर हेमंत भगत की मौके पर ही मौत हो गई। इससे पहले वहां गिट्टी लदे दो ट्रकों में भिड़ंत हो गई थी, जिससे वहां जाम लग गया था। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद वे जाम हटाने और यातायात व्यवस्था बहाल करने में जुटे थे, तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने उन्हें और एक कांस्टेबल को कुचल दिया। गिट्टी से लदे ट्रकों की टक्कर में दोनों ट्रकों के चालक और सह-चालक समेत कुल चार लोग घायल हो गए थे। हादसे की सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर हेमंत भगत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल शिकारीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

घटनास्थल पर कुछ समय पहले गिट्टी लदे दो ट्रकों में हो गई थी जोरदार भिड़ंत

घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद सड़क जाम हटाने आए थे एसआई हेमंत

कांस्टेबल देवकी प्रजापति गंभीर रूप से घायल फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चल रहा इलाज

कुचलते हुए निकल गया अनियंत्रित वाहन

ट्रकों में भिड़ंत होने पर घायलों को अस्पताल पहुंचा कर एसआई हेमंत भगत दोबारा घटनास्थल पर लौटे। कांस्टेबल देवकी प्रजापति के साथ सड़क जाम हटाने व यातायात सामान्य कराने में जुट गए। इसी दौरान एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर दोनों पुलिसकर्मियों को कुचलते हुए निकल गई। हादसे में सब–इंस्पेक्टर हेमंत भगत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल देवकी प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल दुमका के फूलो–झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। स्थानीय लोग आक्रोश जाता रहे थे।

सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत खरसावां में शहीदों को श्रद्धांजलि देते सीएम हेमंत सोरेन। खबर पेज-4 पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को दी बधाई और शुभकामना, कहा-

नव वर्ष का प्रारंभ 'सोना झारखंड' के निर्माण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को नव वर्ष 2026 की बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने कहा है कि नए साल का आगमन केवल एक नए वर्ष की शुरूआत भर नहीं है, बल्कि यह हमारे वीर पुरखों के सपनों के 'सोना झारखंड' के निर्माण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम भी है। साल 2025 में झारखंड राज्य निमार्ता दिशोम गुरु शिबू सोरेन और महान आंदोलनकारी रामदास सोरेन सशरीर छोड़कर प्रकृति की गोद में समा गए। आज वह प्रकृति की गोद से हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने बीते वर्षों में संघर्ष, संकल्प व संभावनाओं की एक लंबी यात्रा तय की है। इस यात्रा में राज्य के सभी नागरिकों विशेषकर आदिवासी, मूलवासी, किसान, श्रमिक, महिलाओं और युवा वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

प्रदेश ने तय की संघर्ष, संकल्प व संभावनाओं की लंबी यात्रा

- राज्य को आगे बढ़ाने में महिलाओं और युवा वर्ग की रही विशेष भूमिका
- सामाजिक न्याय, जनकल्याण और समावेशी विकास के लिए उठाए गए हैं कारगर कदम

पीड़ितों की सहायता के लिए घटनास्थल पर तुरंत पहुंचे हेलीकॉप्टर और एंबुलेंस

न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान स्विट्जरलैंड के बार में लगी भीषण आग, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

NEW DELHI @ PTI : पहली जनवरी को स्विट्जरलैंड के एक बार में आयोजित समारोह के दौरान लगी आग में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है और लगभग 100 लोग घायल हुए हैं। इनमें से अधिकतर की हालत गंभीर है। स्विट्जरलैंड पुलिस ने यह जानकारी दी। वर्ल्ड फेमस टूरिस्ट प्लेस इंटरलाकेन से 100 किमी दूर है क्रांस मोंटाना 'ले कॉन्स्टेलेशन' बार में यह घटना हुई। अधिकारियों ने बताया कि बार में लगी आग के कारणों के बारे में कोई भी दावा करना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हमले की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों की सहायता के लिए हेलीकॉप्टर और एम्बुलेंस घटनास्थल पर तुरंत हैं। उन्होंने बताया कि मरने वालों और घायलों में अलग-अलग देशों के नागरिक भी शामिल हैं।

100 घायल, अधिकतर की हालत गंभीर, मरने वालों में अलग-अलग देशों के नागरिक भी शामिल

क्रांस-मोंटाना शहर में नो फ्लाई जोन घोषित

स्विट्जरलैंड पुलिस ने गुरुवार को स्थानीय समय के अनुसार, सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें बताया कि आग लगने की घटना रिसॉर्ट के कॉन्स्टेलेशन बार में रात 1:30 बजे हुआ।। फिलहाल क्रांस–मोंटाना शहर को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वैलिस कैंटोनल पुलिस के कमांडर फ्रेडरिक गिस्लर ने कहा, हम बेहद दुखी हैं।

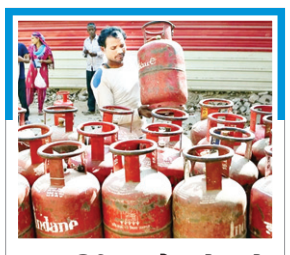

कॉमर्शियल गैस के बढ़े दाम, ₹110-112 रुपये तक हुआ महंगा, रांची में कीमत ₹1844.50

RANCHI : नया साल आम लोगों और कारोबारियों के लिए मिली–जुली खबर लेकर आया है। एक तरफ पाइप से मिलने वाली नेचुरल कुकिंग गैस (पीएनजी) सस्ती हुई है, तो दूसरी तरफ कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (19 किलोग्राम) महंगा हो गया है। महानगरों में सिलेंडर की कीमत में 100–115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जो बीते 28 महीनों की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। वहीं, रांची में 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर के दामों में 111.50 रुपये बढ़े हैं, जिसके बाद कीमत 1844.50 हो गई है। इसके अलावा अन्य कई शहरों में कीमतें 1850 के आसपास पहुंच चुकी हैं। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में अप्रैल 2025 के बाद कोई बदलाव नहीं हुआ है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में इजाफा होने से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं की लागत बढ़ जाएगी। ऐसे में वे आने वाले दिनों में खाने के दामों में बढ़ोतरी करेंगे, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा में खाना खाना पहले की तुलना में महंगा हो जाएगा। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के ताजा रेट के मुताबिक, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये से ज्यादा का उछाल आया है। अक्टूबर 2023 के बाद यह सबसे बड़ी बढ़ोतरी मानी जा रही है। कंपनी ने चार महानगरों में कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं।

नए साल के पहले दिन प्रदेश के 15 जिलों में लुढ़का पारा सुबह में छाया रहा कोहरा

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को कड़ाके की ठंड के बीच झारखंड में नए साल का प्रारंभ हुआ। ठंड के बावजूद लोगों ने उत्साह के साथ नए वर्ष का जश्न मनाया। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, राज्य के 15 जिलों का न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहा। दक्षिणी-पूर्वी और उत्तरी भागों में सुबह के समय कोहरा देखने को मिला। गुमला और रांची के कांके का न्यूनतम पारा 4.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। 15 जिलों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड हुआ। रांची और गुमला के बाद डाल्टनगंज का न्यूनतम पर 5.7 डिग्री पर पहुंच गया। इसके अलावा बोकारो में 7.5 डिग्री, चाईबासा में 8.6 डिग्री, देवघर में 7.8 डिग्री, पूर्वी सिंहभूम में 9.8 डिग्री, कोडरमा में 8.4 डिग्री, हजारीबाग में 6.4 डिग्री, खूंटी में 6.3 डिग्री, लातेहार में 8.3 डिग्री, लोहरदगा में 6.0 डिग्री, पाकुड़ में 7.6 डिग्री, सरायकेला में 8.02 डिग्री और सिमडेगा में 8.4 डिग्री पारा रिकॉर्ड हुआ है। 10 जिलों का न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस से कम रहा। इन जिलों में रांची, डालटनगंज, बोकारो, चाईबासा, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला, पाकुड़ और गुमला शामिल हैं। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में वृद्धि की संभावना जताई है। यह वृद्धि दो से चार डिग्री सेल्सियस तक हो सकती है। कुल मिलाकर राहत की बात है कि कड़ाके की ठंड के बीच अधिकतम तापमान में सुधार हुआ है।

गुमला और रांची के कांके में 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया न्यूनतम तापमान

- डाल्टनगंज, खूंटी, लोहरदगा और हजारीबाग में भी 7 डिग्री से कम रहा मिनिमम टेंपरेचर
- अगले चार दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस हो सकता है इजाफा

चिंता के हालात जलवायु परिवर्तन के कारण प्रकृति की बनी अस्वाभाविक स्थिति

चूहों-चमगादड़ों के बीच संघर्ष ने इंसानों के लिए बढ़ाया खतरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : अगर विकास का पैमाना प्रकृति के संरक्षण और संतुलन के साथ जुड़ा हो, तो इसके नकारात्मक परिणाम कम से कम सामने आते हैं। प्रकृति को अंधाधुंध नुकसान पहुंचा कर विकास के आगे बढ़े कदम अंततः मानव समाज के लिए ही खतरनाक साबित होने लगते हैं। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि जलवायु परिवर्तन ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि चूहों और चमगादड़ों के बीच संघर्ष अत्यंत हिंसक हो चुका है। प्रकृति की बनी अस्वाभाविक स्थिति ने इस प्रकार के चिंताजनक हालात पैदा किए हैं। वैज्ञानिक इसे मानव गतिविधियों के कारण परिवर्तनशील वातावरण का सबसे खतरनाक संकेत बता रहे हैं। चूहों और चमगादड़ों के बीच संघर्ष के कारण मनुष्य तक वायरस के पहुंचने का खतरा ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने इस स्थिति पर लंबे समय तक रिसर्च किया है। रिसर्च के निष्कर्षों को 'एनवायरनमेंटल साइंस' में विस्तार से प्रकाशित किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन और मानव हस्तक्षेप ने पारिस्थितिक संतुलन को इतना बदल दिया है कि शिकारी व शिकार के बीच संबंध असामान्य और हिंसक रूप ले रहे हैं।

तापमान के उतार-चढ़ाव ने पारिस्थितिक तंत्र को पूरी तरह कर दिया असंतुलित

जंगलों के सिकुड़ने की वजह से शहरों की ओर तेजी से रुख कर रहे चमगादड़

- मानव हस्तक्षेप से निर्मित वातावरण में शिकार व शिकारी के बीच संबंध ले रहा हिंसक रूप
- मानव परिवर्तित आवास चूहों को मजबूत और चमगादड़ों को बना रहे कमजोर
- अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने किया है विशेष अध्ययन

रिसर्च के निष्कर्षों को विस्तार से 'एनवायरनमेंटल साइंस' में किया गया है प्रकाशित

भोजन स्रोतों में बदलाव बना वजह

कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन ने पारिस्थितिक संतुलन को उलट दिया है। जंगलों के सिकुड़ने, तापमान में उतार–चढ़ाव और भोजन स्रोतों में बदलाव की वजह से चमगादड़ शहरों और मानव बस्तियों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं, वहीं चूहे मानव परिवर्तित आवासों में तेजी से फल–फूल रहे हैं।

बदलते क्लाइमेट और अस्थिर होती प्रकृति का संकेत

रिपोर्ट में समझाया गया है कि किस तरह से एक तरफ चमगादड़ नए वातावरण में संघर्ष कर रहे हैं, दूसरी तरफ चूहे इस संघर्ष से फायदा उठा रहे हैं। यह असंतुलन सीधा जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव है। रिसर्च टीम की प्रो. रेना प्लोवराइट का कहना है कि मानव परिवर्तित आवास चूहों को मजबूत और चमगादड़ों को कमजोर बना रहे हैं। यह सिर्फ वन्य संघर्ष नहीं, यह धरती की बदलती जलवायु और अस्थिर होती प्रकृति का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी जर्मनी की अंधेरी गुफाओं में रिकॉर्ड किए गए एक इन्फ्रारेड वीडियो से पता चलता है कि किस प्रकार चूहे चमगादड़ों का तेजी से शिकार कर रहे हैं। एक गुफा में 50 से अधिक चमगादड़ों की लाशें मिलने और प्रवेश-निकास मार्ग पर गश्त लगाते चूहों को देखने के बाद शोधकताओं ने निष्कर्ष निकाला कि यह एक दुर्लभ अपवाद नहीं, बल्कि उभरता हुआ बड़ा खतरा है। शोधकताओं का अनुमान है कि छोटी संख्या में भी चूहे एक साल में हजारों चमगादड़ों को मार सकते हैं।

BRIEF NEWS

डीआईजी अंजनी कुमार झा ने ग्रहण किया पदभार

HAZARIBAG : आईपीएस अंजनी कुमार झा ने गुरुवार को हजारीबाग के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर प्रभार लिया। इस दौरान उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह व पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन भी मौजूद रहे। डीसी व एसपी ने उन्हें पुष्पगुच्छ देते हुए शिष्टाचार भेंट की और नववर्ष की बधाई दी।

आदित्य पांडेय ने संभाला एसडीओ का प्रभार

HAZARIBAG : आईएएस आदित्य पांडेय ने गुरुवार को हजारीबाग के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) का प्रभार संभाल लिया। ज्ञात हो कि बुधवार शाम को ही राज्य सरकार ने इनके पदस्थापन की अधिसूचना जारी की थी।

आईएएस ओमप्रकाश गुप्ता बने नगर आयुक्त

HAZARIBAG : आईएएस ओम प्रकाश गुप्ता हजारीबाग के नगर आयुक्त बने हैं। इसकी अधिसूचना बुधवार शाम को राज्य मुख्यालय से जारी हुई थी। गुरुवार को पदभार संभालने के बाद उन्होंने अपने कार्यालय कक्ष में नगर निगम के पदाधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की तथा नगर निगम की कार्यप्रणाली से अवगत हुए।

उपायुक्त से मिलीं नई डीडीसी रिया सिंह

HAZARIBAG : आईएएस रिया सिंह ने गुरुवार को उपविकास आयुक्त (डीडीसी) का प्रभार ग्रहण कर लिया। प्रभार लेने के उपरांत नए उप विकास आयुक्त ने उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से उपायुक्त के कक्ष में शिष्टाचार भेंट की एवं नववर्ष की बधाई दी।

आशीष गंगवार बने धनबाद के नगर आयुक्त

DHANBAD : राज्य सरकार ने प्रशासनिक सेवा में फेरबदल करते हुए नये साल के पहले दिन गुरुवार को तीन अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। धनबाद जिले को तीन नए अधिकारी मिले हैं। नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) और उप विकास आयुक्त (डीडीसी) के पद पर तीन आईएएस अधिकारियों ने अपना पदभार ग्रहण किया। इनमें धनबाद के नगर निगम के नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) लोकेश बारंगे और उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज शामिल हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद नए नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने कहा कि उनकी प्राथमिकता नगर निगम की कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की योजनाओं का लाभ सीधे नागरिकों तक समय पर पहुंचाया जाएगा। व्यवस्था आम लोगों के पहुंच के दायरे में लाया जाएगा, ताकि आम जनता को अनावश्यक कार्यालयों का चक्कर न काटने पड़े। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व वे छतरपुर में एसडीएम के पद पर तैनात थे। वहीं नए एसडीएम लोकेश बारंगे ने पदभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जारी किया जाएगा। कार्यालय की कार्यक्षमता को बढ़ाकर आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।

मुआवजे को लेकर ग्रामीणों ने रोक दिया ट्रेनों का परिचालन

राजधानी व सासाराम एक्सप्रेस हुई प्रभावित, नगजुआ व पिस्का स्टेशन पर फंसे हजारों यात्री

PHOTON NEWS LOHARDAGA : लोहरदगा जिले से एक अजीब घटना सामने आई है। यहां मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रेल परिचालन को ही बाधित कर दिया। इससे राजधानी और सासाराम एक्सप्रेस का परिचालन भी प्रभावित रहा।

बताया जाता है कि कैरो थाना क्षेत्र के नगजुआ गांव निवासी वासुदेव उरांव (50) की बुधवार को मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई थी। वह रेलवे में अस्थायी तौर पर लाइनमैन के रूप में कार्यरत था। इसी घटना को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार शाम को लोहरदगा-रांची रेल लाइन को कैरो थाना क्षेत्र के नगजुआ रेलवे फाटक के पास रोक दिया। इससे न सिर्फ लोहरदगा से चलकर रांची जाने वाली आरएल-6 यात्री ट्रेन रुकी, बल्कि रांची-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस और रांची-सासाराम एक्सप्रेस ट्रेन भी प्रभावित हुई। हजारों यात्री रांची के पिस्का और लोहरदगा के नगजुआ स्टेशन पर घंटों फंसे रहे। लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। हालांकि, सूचना मिलने के बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन देर शाम तक रेल परिचालन बाधित रहा। आरपीएफ और स्थानीय थानों की पुलिस के साथ प्रशासनिक पदाधिकारी भी लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन ग्रामीण इस मांग पर अड़े हुए थे कि कोई जिम्मेदार रेल अधिकारी आकर लिखित आश्वासन दे। ग्रामीण नौकरी और मुआवजे की मांग पर अडिग थे। मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों के इस आंदोलन से लोहरदगा से मेमू ट्रेन के शाम 4.45 पर रांची के लिए खुलने का समय है।

जो गुरुवार को 5.06 मिनट में लोहरदगा स्टेशन से खुली। ट्रेन शाम 5.28 मिनट से नगजुआ में खड़ी थी। वहीं रांची से सासाराम जाने वाली रांची-सासराम एक्सप्रेस ट्रेन 5.52 से नगजुआ में खड़ी थी। रांची से दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस 6.33 से रांची के पिस्का स्टेशन में खड़ी थी।

रेलवे फाटक के पास रेल परिचालन बाधित करते ग्रामीण

फायरिंग कर युवक ने फैलाई दहशत, छह खोखा बरामद

DHANBAD : निरसा में युवक ने उधारी का पैसा मांगने पर फायरिंग करने लगा। यह घटना गुरुवार को खुदिया कोलियरी की कालीमाटी कॉलोनी में हुई। पुलिस ने यहां से छह खोखा बरामद किया है। हालांकि, गोली किसी को नहीं लगी। इस संबंध में निरंजन चौहान ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। चौहान ने तहरीर में कहा है कि 15 दिसंबर को वीरसिंहपुर डांगापाड़ा निवासी राहुल सिंह उर्फ धनिया ने उससे 15,000 रुपये उधार लिए थे। गुरुवार की सुबह जब मैं अपना पैसा मांगने लगा, तो वह टालमटोल करने लगा। इसी दौरान गालीगलौज करते हुए फोन करके कुछ लोगों को बुला लिया। उसके चचेरा भाई मेहताडीह कॉलोनी से अपने एक साथी युवराज सिंह के साथ बाइक से आया। उसका साथी बाइक चला रहा था, जबकि युवराज सिंह दोनों हाथ से कॉलोनी में फायरिंग करने लगा। गोली चलाते हुए वह वीरसिंहपुर की ओर निकल गया। इस फायरिंग में कॉलोनी की एक महिला और मैदान में खेल रहे दो बच्चे गोली की चपेट में आने से बाल बाल बच गए। कॉलोनी वासियों ने जब उन दोनों को खदेड़ा तो वे लोग बाइक सहित खेत में गिर गए। इसके बाद किसी तरह बाइक लेकर दोनों भाग गए।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो की मौत, दो घायल

सभी युवक चतरा के रहने वाले

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हैं। ये सभी युवक चतरा के रहने वाले हैं। सभी एक ही बाइक पर सवार थे। बताया जा रहा है कि चतरा के प्रतापपुर थाना क्षेत्र स्थित कसमार गांव निवासी मनोज तुरी अपने दोस्त प्रेम भारती एवं अन्य के साथ मनातू के डुमरी स्थित ससुराल गया था। मनोज अपने साथियों के साथ बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मनातू थाना थाना से कुछ दूर बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में मनोज तुरी और प्रेम भारती गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय निवासियों की मदद से पुलिस ने

दोनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज- अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन पलामू पहुंचे और दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद ले गए। सड़क हादसे के बाद अस्पताल से लेकर पोस्टमॉर्टम हाउस तक परिजनों के रोने की वजह से माहौल गमगीन हो गया था। पूरे गांव में मातम फैल गया है।

तेज रफ्तार कार ने महिला सहित दो को रौंदा

DHANBAD : शहर के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत सत्यम नगर स्थित धनबाद-बरवाअड्डा मुख्य सड़क पर गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार एक कार ने सड़क किनारे खड़ी एक महिला और एक युवक को कुचल दिया। हादसे के बाद अनियंत्रित कार सड़क किनारे लगे बिजली के एक पोल से जा टकराई, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में युवक रफीक अंसारी (25) और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों के अनुसार, दोनों लोग बस पकड़ने के लिए सड़क के किनारे खड़े थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों दूर जा गिरे और कार पोल से जा भिड़ी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए दोनों घायलों को सड़क से उठाया और एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने घटना के लिए तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालक को जिम्मेदार ठहराया है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश है। सूचना मिलने पर बरवाअड्डा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे जोमैटो कर्मी, डिलीवरी ठप

नारेबाजी करते फूड डिलीवरी करने वाले कर्मचारी

PALAMU : जोमैटो कर्मी 11 सूत्री मांगों को लेकर दूसरे दिन गुरुवार को भी हड़ताल पर रहे। अपनी मांगों पर जोर डालने के लिए पूर्वाहन 11:00 बजे मेदिनीनगर में प्रदर्शन किया और अविलंब मांगों को पूरा करने का आग्रह किया। जोमैटो कर्मियों की हड़ताल से ऑनलाइन फूड डिलीवरी ठप हो गया है। बताते चले की बुधवार से जिले के एक सौ के आसपास जोमैटो कर्मी हड़ताल पर हैं। श्रम कानून के तहत वेतन, कमीशन सहित अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनकी मांगों में श्रम कानून के तहत मजदूरी निर्धारण, प्रत्येक राइडर का बीमा, यात्रा भत्ता, इंसेंटिव में बढ़ोतरी, रेस्टोरेंट वेटिंग टाइम भत्ता, जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल, कंपनी के पदाधिकारियों द्वारा श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार और अभद्र भाषा का प्रयोग बंद करने, आठ घंटे कार्य करने पर ओवर टाइम इंसेंटिव, कंपनी का कार्यालय मेदिनीनगर में स्थापित करने, जोमैटो श्रमिक मदन पासवान, दिलीप कुमार की पूर्व में हुई दुर्घटना का मुआवजा आदि शामिल है।

पत्नी को टांगी से काटकर मार डाला, गिरफ्तार

GUMLA : बिशुनपुर प्रखंड के गुरदरी थाना क्षेत्र के अति सुदूरवर्ती अमतीपानी जोभीपाठ में बुधवार को हृदयविदारक घटना हुई। यहां बुद्धेश्वर असुर ने अपनी पत्नी अशिखा कुमारी (19) की टांगी से काटकर मार डाला। बताया जाता है कि पति-पत्नी बुधवार को जंगल में लकड़ी लाने गए थे। शाम को लौटते समय किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में आकर बुद्धेश्वर, टांगी से पत्नी पर कई बार वार किया, जिससे उसकी वहीं मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वहीं मौजूद रहा।

ग्रामीणों की सूचना पर गुरदरी थाना की पुलिस पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे विवाद के वास्तविक कारणों का अभी पता लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पत्नी काफी कम उम्र की थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

लातेहार में सड़क सुरक्षा माह शुरू, जागरूकता रथ रवाना

AGENCY LATEHAR : जिला प्रशासन की ओर से सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है, जिसकी शुरूआत गुरुवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को रवाना कर की। समाहरणालय परिसर से एलईडी स्क्रीन युक्त वैन निकला, जो गांव-गांव घूमकर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सचेत करेगा। इस अवसर पर उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, निर्धारित गतिसीमा का पालन करें तथा नशे की हालत में वाहन न चलाएं। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और बहुमूल्य जीवन की रक्षा की जा सकती है। लातेहार जिला में पिछले 3 माह से सीसीटीवी के माध्यम से ई-चालान काटा जा रहा है। इससे सड़क दुर्घटना के साथ-साथ मृत्यु दर में भी कमी आयी है। कार्यक्रम के दौरान डीसी ने कहा कि गुड समैरिटन (राहवीर) पॉलिसी के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल स्वास्थ्य सहायता पंहुचाते वाले राहवीर को अब 25,000 की प्रोत्साहन राशि और सम्मान पत्र दिया जाएगा। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। मुख्य चौराहों और सड़कों पर नियमित जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त ने कहा कि यह अभियान लोगों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करने का प्रयास है। सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्कता ही दुर्घटनाओं को रोकने का प्रभावी माध्यम है।

समाहरणालय परिसर में झंडी दिखाते उपायुक्त व अन्य अधिकारी

आपसी रंजिश में दो गुटों की झड़प में कुल्हाड़ी से किया हमला, तनाव

DHANBAD : जिले के पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत पासी धौड़ा में खाने पीने के विवाद और आपसी रंजिश गुरुवार को हिंसक रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि पूर्व में हुए आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक युवक रवि पासी को कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है। वहीं घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग उग्र हो गए और एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान जमकर तोड़फोड़ भी हुई। जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट और पत्थरबाजी के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू करने के लिए लोगों को खदेड़ा तब जा कर मामला शांत हुआ। इधर, किसी भी अनहोनी की आशंका को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। घटना में घायल रवि पासी के पिता बद्री पासी ने बताया कि बेटा घर के बाहर चाय पी रहा था, अचानक कुछ लोग उसपर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया।

समस्या | दो साल से अटका है गुड़ाबांदा-जियान-धालभूमगढ़ पथ परियोजना में मुआवजे का मामला

खतियान न आवेदन, भूमि अधिग्रहण के लिए भुगतान का दबाव

MUJTABA RIZVI @ JSR : गुड़ाबांदा-जियान-धालभूमगढ़ पथ परियोजना में पंचाटियों को भुगतान का मामला अब तूल पकड़ रहा है। न खतियान और ना ही भूमि के मालिकाना का कोई दस्तावेज। फिर भी गुड़ाबांदा के जिला परिषद सदस्य शिवनाथ मांडी जिला भू-अर्जन कार्यालय पर भुगतान का दबाव बना रहे हैं। यह भुगतान है पथ निर्माण विभाग की गुड़ाबांदा-जियान-धालभूमगढ़ पथ परियोजना में भूमि अधिग्रहण का। दो साल पहले हुए अधिग्रहण के बाद भी दस्तावेज नहीं होने या किसी अन्य वजह से दर्जनों लोगों ने अब तक भुगतान के लिए आवेदन नहीं किया है। जिला परिषद सदस्य ने भी भुगतान के लिए अब तक आवेदन नहीं किया है मगर वह इस मामले को लेकर बराबर शिकायत कर रहे हैं। जिला भू-अर्जन विभाग का कहना है कि जिस भूमि के लिए जिला परिषद सदस्य भुगतान मांग रहे हैं उसका खतियान सायबा मांडी और फागू मांडी के नाम है। इस पर फागू की पत्नी पंसुरी मांडी ने भुगतान का दावा कर दिया है। इसी के चलते इस भुगतान में पेंच फंस गया है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

जिन लोगों ने सही दस्तावेज के साथ आवेदन किया था, उन्हें भुगतान कर दिया गया है। कई लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं। कुछ लोग दूसरों के जमीन पर दावा कर रहे हैं। कुछ लोगों ने गलत दस्तावेज लगाए हैं। इन सब मामले में सुनवाई चल रही है। अंचल कार्यालय से दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है।

– गुंजन कुमारी सिन्हा
जिला भू-अर्जन पदाधिकारी

अंचल को सत्यापन के लिए भेजे गए 54 दस्तावेज

कुछ दस्तावेजों पर भू अर्जन विभाग को शक है। इसलिए इन कागजातों को अंचल कार्यालय में सत्यापन के लिए भेजा गया है। जिला भू-अर्जन कार्यालय ने 54 मामलों के दस्तावेज अंचल कार्यालय भेजे हैं। बकराकोचा गांव में 101 पंचाटी हैं। इनमें से किसी भी पंचाटी ने अब तक मुआवजे के लिए आवेदन नहीं किया है। दो साल पहले गुड़ाबांदा के भालकी में कैंप लगाया गया था। यहां के 242 पंचाटियों को अधिग्रहण का भुगतान मिलना है। मगर, इनमें से 83 पंचाटियों ने ही भुगतान के लिए आवेदन दिया है । इनमें से अब तक 76 लोगों को दो करोड़ रुपये का ही भुगतान हो पाया है। इनमें से 29 ऐसे मामले हैं जिनमें विवाद के चलते सुनवाई चल रही है। सुनवाई में जिनके पक्ष में फैसला होगा। उनको भुगतान किया जाएगा। 159 पंचाटी एसे हैं जिन्होंने भुगतान के लिए आवेदन ही नहीं दिया है। आशंका जताई जा रही है कि इन पंचाटियों के पास दस्तावेज की कमी होगी।

कइयों के पास रजिस्ट्री नहीं, सादे कागज पर है जमीन का एग्रीमेंट

भुगतान लेट होने के पीछे कारण बताया जा रहा है कि कई पंचाटियों के पास भूमि के दस्तावेज ही नहीं हैं। दस्तावेज किसी अन्य के नाम हैं। सूत्रों की मानें तो कुछ लोग सरकारी या फिर किसी अन्य की जमीन पर कब्जा कर लेते हैं। जब उस भूमि का अधिग्रहण हो जाता है तो उनके पास संबंधित जमीनों के कागजात नहीं होते। लेकिन, भू-अर्जन विभाग के नियमों के अनुसार अगर किसी को अपनी भूमि के लिए मुआवजा चाहिए तो उसे जमीन के कागजात लगा कर आवेदन करना पड़ता है। यहीं, पेच फंस जाता है। कई लोग फर्जी या गलत कागजात लगा कर आवेदन कर देते हैं। मगर, जब उसी जमीन पर दूसरों का दावा हो जाता है तो मामला सुनवाई में चला जाता है। यही वजह है कि कई लोगों ने इस परियोजना के लिए अब तक आवेदन ही नहीं किया है। जिला परिषद सदस्य के मामले में भी यही है। जिला भू-अर्जन विभाग का कहना है कि जिला परिषद जिस जमीन का भुगतान मांग रहे हैं, उस पर किसी अन्य ने दावा कर रखा है। इसीलिए इस जमीन का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। इस परियोजना के कई पंचाटियों के पास उनकी जमीन के मालिकाना हक को साबित करने के लिए रजिस्ट्री तक नहीं है। इनके पास सिर्फ एग्रीमेंट है वह भी सादे कागज पर। इस तरह के एग्रीमेंट मालिकाना के लिए मान्य नहीं होते।

'तकनीकी शब्दावली को सरल बनाने की जरूरत'

हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता

HAZARIBAG : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, हजारीबाग ने बुधवार को कार्यालय परिसर में प्रत्येक तिमाही की भांति वर्तमान वर्ष की अंतिम तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शिव मंगल प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय चावल अनुसंधान केंद्र, हजारीबाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी सह कार्यालय प्रभारी ब्रजेश्वर कुमार, कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी आशीष कुमार कंधवे आदि ने भारतीय सांख्यिकी के जनक डॉ. (प्रो.) पी.सी. महालनोबिस के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। हाल ही में आयोजित छमाही बैठक में हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु इस कार्यालय को पूरे हजारीबाग में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। इसके उपरांत वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी नितिन मिलन ने तकनीक के माध्यम से हिंदी कार्य को सुगम बनाने पर प्रकाश डालते हुए कंठस्थ टूल, हिंदी इनपुट टूल्स, अनुवाद तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

सैलानियों की मस्ती के लिए हॉटस्पॉट बना दशम फॉल

PHOTON NEWS RANCHI : प्राकृतिक खूबसूरती हर किसी को आकर्षित करती है। नए साल की खुशी का दिन हो तो यह खूबसूरती और बढ़ जाती है। मौसम भी खुशगवार हो जाता है। झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 40 किलोमीटर दूर बुंडू स्थित दशम फॉल नए साल में सैलानियों की मस्ती के लिए हॉट स्पॉट बना गया। 144 फीट की ऊंचाई से गिरती कांची नदी की जलधारा को देखने के लिए झारखंड ही नहीं, बल्कि देश के अलग-अलग राज्यों से पर्यटक पहुंच रहे हैं। वीकेंड और छुट्टियों के दौरान भी दशम फॉल परिसर में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। पर्यटक झरने के मनोरम दृश्य के साथ प्रकृति के बीच सुकून के पल बिताते नजर आ रहे हैं।

144 फीट की ऊंचाई से गिरती कांची नदी की जलधारा देखने बाहर से भी आते हैं लोग

झरने के मनोरम दृश्य के साथ खुले आकाश में हजारों लोगों ने महसूस किया सुकून

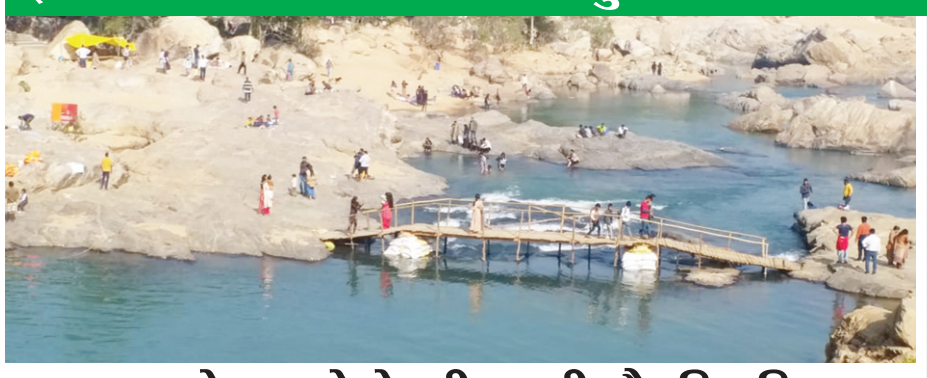

झरना के सामने सेल्फी, मस्ती और पिकनिक

दशम फॉल में पहुंचे पर्यटकों में खासा उत्साह देखने को मिला। कोई झरने के सामने सेल्फी और वीडियो बनाता नजर आया तो कोई दोस्तों और परिवार के साथ नाचतेझगाते पिकनिक का आनंद लेता दिखा। कई पर्यटक झरने के आसपास ही बैठकर भोजन करते नजर आए। दशम फॉल घूमने पहुंचे पर्यटकों ने बताया कि यहां का प्राकृतिक सौंदर्य मन को सुकून देता है। उन्होंने कहा कि 144 फीट से गिरती जलधारा और चारों ओर फैली हरियाली दशम फॉल को खास बनाती है। नए स्थान पर घूमने और परिवार के साथ समय बिताने के लिए यह जगह बेहद खास है। पर्यटकों की संख्या अधिक होने के कारण दशम फॉल तक पहुंचने वाली सड़क पर कई जगहों पर ट्रैफिक जाम भी देखने को मिल रहा है।

डेंजर जोन की जानकारी दे रहे टूरिस्ट गाइड स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का जरिया

वाहनों की लंबी कतार लगने से पर्यटकों को कुछ समय तक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पर्यटक मित्र अपने स्तर से व्यवस्था सुधारने को लेकर तत्पर दिख रहे हैं। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। पर्यटक मित्र (टूरिस्ट गाइड) लगातार लोगों को डेंजर जोन में जाने से रोक रहे हैं ताकि किसी भी तरह की कोई दुर्घटना न हो। जोश में भारी पर्यटकों को डेंजर जोन की तरफ मूव करते ही पर्यटक मित्र सीटी बजाकर चेतावनी देने लगते हैं। पर्यटक मित्र प्रभारी योगेश्वर अहीर ने बताया कि दशम फॉल में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को डेंजर जोन में जाने से रोका जा रहा है और लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि सभी सुरक्षित तरीके से झरने का आनंद ले सकें। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी दशम फॉल के मनोरम दृश्य को देखने के लिए लोग उमड़ रहे हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, उफनती जलधारा और पहाड़ियों के बीच बसा दशम फॉल झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। यह स्थल स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का जरिया भी बन रहा है। दशम फॉल के आसपास खाने-पीने की अच्छी व्यवस्था है, हालांकि ज्यादातर पर्यटक खुद भोजन तैयार कर पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

NEWS BOX

अंग्रेजी कैलेंडर के खिलाफ निकला विरोध मार्च

RANCHI : एक जनवरी को अंग्रेजी कैलेंडर के विरोध में अल्बर्ट एक्का चौक पर सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने अंग्रेजी नववर्ष मनाने का बहिष्कार किया। लोगों से भारतीय परंपराओं को अपनाने की अपील किए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार भले ही अंग्रेजी कैलेंडर को आधिकारिक मान्यता नहीं देती, लेकिन शिक्षा व्यवस्था और समाज में वही सबसे अधिक प्रचलित है। इससे भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। अंग्रेजी नववर्ष भारतीय संस्कृति का हिस्सा नहीं है, फिर भी उसे बड़े स्तर पर मनाया जाता है। इससे धार्मिक परंपराएं और सामाजिक एकता कमजोर हो रही हैं। संगठनों ने मांग की कि भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को आधिकारिक मान्यता दी जाए। विक्रम संवत को शिक्षा व सामाजिक जीवन में स्थान दिया जाए। ताकि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा को मजबूती मिल सके।इस दौरान राष्ट्रीय हिंदु संगठन के अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, चंद्र किशोर साहु, राजू सिंह,विकास सिंह समेत अन्य शामिल थे।

प्रज्ञा के सिंहासन की माता गिरजा में नववर्ष मिस्सा, आर्चबिशप ने दिया शांति का संदेश

RANCHI : काथलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष आर्चबिशप विंसेंट आईंद ने प्रज्ञा के सिंहासन की माता गिरजा (माइनर बेसिलिका) राजा उलिहातु में नववर्ष का विशेष मिस्सा बलिदान अर्पित किया।इस अवसर पर उन्होंने सभी विश्वासियों को नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दिए। ईश्वर के आशीर्वाद की कामना की। परंपरा के अनुसार, 1 जनवरी को इसी तीर्थस्थल से विश्वासियों को आशीर्वाद प्रदान किया गया था। महाधर्माध्यक्ष ने कहा कि जो लोग इस वर्ष में प्रवेश करना चाहते थे, वे आज हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने बीते वर्ष 2025 के लिए ईश्वर को धन्यवाद देने और नव वर्ष में विश्वास को मजबूत रखते हुए असफलताओं से सीख लेकर जीवन, परिवार और समाज को बेहतर बनाने का संदेश दिए। आर्चबिशप ने उलिहातु अस्पताल के वृद्धाश्रम में बुजुर्ग धर्मबहनों को पुष्प भेंट कर शुभकामनाएं दीं और माता मरियम की प्रतिमा से आशीर्वाद प्रदान किया।इस मौके पर फादर अल्बर्ट लकड़ा,फादर सुनिल टोप्पो,फादर प्रदीप तिर्की,फादर असीम मिंज समेत अन्य शामिल थे।

राज्यपाल संतोष गंगवार से मिले डीसी और एसएसपी, नव वर्ष की दी शुभकामनाएं

RANCHI : गुरुवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। उपायुक्त ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी दोनों पदाधिकारियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके दायित्व निर्वहन में सफलता की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने दोनों पदाधिकारियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए रांची जिले के समग्र विकास, सुशासन एवं बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए कामना की।

सीएम से मिले आईएएस व आईपीएस अफसर दी नए साल की बधाई व शुभकामनाएं

RANCHI : गुरुवार को सीएम हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सांसद, राज्यसभा महुआ माजी, अपर मुख्य सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मस्त राम मीणा, राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी, सचिव वित्त विभाग प्रशांत कुमार, सदस्य राजस्व पर्षद राजीव रंजन, अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छवि रंजन, प्रबंध निदेशक जियाडा वरुण रंजन, निदेशक नगरीय प्रशासक, नगर विकास विभाग नैंसी सहाय, विशेष सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी (समन्वय) विभाग राजीव रंजन, आईजी एसटीएफ अनूप बिरथरे, उपायुक्त रांची मंजुनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन ने मुलाकात की।

मुरी स्टेशन पर 38 बोतल शराब बरामद

RANCHI : ऑपरेशन सतर्क के तहत रेलवे सुरक्षा बल मुरी ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 38 बोतल शराब बरामद की है। यह कार्रवाई मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान की गई। 31 दिसंबर को आरपीएफ पोस्ट मुरी और फ्लाइंग टीम रांची द्वारा मुरी रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान शाम के समय प्लेटफॉर्म संख्या-1 के मुख्य गेट के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बैठा मिला। उसके पास मौजूद दो पिट्ठू बैग असामान्य रूप से भारी प्रतीत हो रहे थे। पूछताछ करने पर उसकी पहचान विंध्याचल सिंह के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके बैग से कुल 38 बोतल अवैध शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 26 हजार रुपये बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह टाटानगर से मुरी आया था और रोहतास ले जाकर शराब बेचने की योजना बना रहा था। शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज उसके पास नहीं मिला। आरपीएफ उपनिरीक्षक रवि शंकर द्वारा शराब को जब्त कर आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग, रांची को सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है।

अखंड भारत संस्था ने मनाया भारतीय संस्कृति रक्षा दिवस

RANCHI : गुरुवार को साल के पहले दिन फिरायालाल चौक पर अखंड भारत संस्था की ओर से ग्रेगोरियन कैलेंडर और मैकाले शिक्षा पद्धति के विरोध में भारतीय संस्कृति रक्षा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति की रक्षा में बलिदान देने वाले करोड़ों पूर्वजों की आत्मशांति के लिए हवन-पूजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के संस्थापक व केंद्रीय अध्यक्ष ब्रजेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भारत को ग्रेगोरियन के बजाय भारतीय कैलेंडर अपनाना चाहिए और राज्य व केंद्र सरकार को मैकाले शिक्षा पद्धति को समाप्त कर संस्कारयुक्त भारतीय शिक्षा प्रणाली लागू करनी चाहिए। हवन-पूजन के बाद जागरूकता रैली निकालकर लोगों को भारतीय संस्कृति के प्रति सजग किया गया। अखंड भारत संस्था एक जनवरी को भारतीय संस्कृति रक्षा दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष कार्यक्रम के 10 वर्ष पूरे हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सनातन एकता मंच, झारखण्ड के केंद्रीय अध्यक्ष रोहित सनातनी की टीम ने ब्रजेश सिंह जी का समर्थन किया।

BRIEF NEWS

नव वर्ष पर दिउड़ी मंदिर में भक्तों की लगी कतार

RANCHI : नव वर्ष पर प्राचीन कालीन सोलह भुजी मां दिउड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। तीन बजे सुबह से ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालु कतार में खड़े हो गए थे। सुबह कपाट खुलते ही पूजा अर्चना शुरू हुई। मंदिर परिसर में चारों ओर भीड़ थी। ऐसे में एनएच 33 तक लाइन पहुंच गई थी। भीड़ को संभालने के लिए तमाड़ प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर शाम तक लोग पूजा अर्चना करते रहे। वहीं इस बीच रांची एसएसपी राकेश रंजन ने अपने परिवार के साथ माता की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

एक अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक हुआ 83 करोड़ रुपये का कर-संग्रहण

रांची नगर निगम ने टैक्स कलेक्शन में बनाया रिकॉर्ड, अब मिशन 100 करोड़

VIVEK SHARMA @ RANCHI : रांची नगर निगम ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में टैक्स कलेक्शन में रिकॉर्ड बना दिया है। इतना ही नहीं, अब नगर निगम ने इसके लिए मिशन 100 करोड रुपये का टारगेट रखा है। वही जिस रफ्तार से टैक्स कलेक्शन को लेकर नगर निगम ने गंभीरता दिखाई है, उससे यही लगता है कि 100 करोड़ का आंकड़ा भी नगर निगम समय पर छू लेगा। झारखंड के सभी नगर निकायों के लिए ये एक उदाहरण भी है कि कैसे वे अपने राजस्व को बढ़ा सकते हैं। निगम के मिशन 100 करोड़ के तहत एक अप्रैल से 31 दिसंबर तक करीब 83 करोड़ रुपये का टैक्स और यूजर चार्ज कलेक्शन किया गया है। नगर निगम का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना है, जिस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नगर निगम को यह राजस्व मुख्य रूप से होल्डिंग टैक्स, वाटर यूजर चार्ज, वेस्ट यूजर चार्ज और ट्रेड लाइसेंस शुल्क से प्राप्त हो रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार राजधानी रांची में फिलहाल दो लाख 25 हजार से अधिक हाउस होल्डर्स निगम में पंजीकृत हैं, जो राजस्व का प्रमुख आधार हैं।

होल्डिंग टैक्स, वाटर यूजर चार्ज, वेस्ट यूजर चार्ज, ट्रेड लाइसेंस से मिल रहा राजस्व

बड़े बकाएदारों पर सख्ती के बाद बढ़ी रफ्तार

टैक्स कलेक्शन को और बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने जीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई है। इसके तहत होल्डिंग टैक्स के 100 बड़े और लंबे समय से बकाया रखने वाले डिफॉल्टरों को नोटिस भेजा गया है। निगम ने साफ कर दिया है कि तय समय सीमा में बकाया जमा नहीं करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही वेस्ट यूजर चार्ज का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को भी निगम ने 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अधिकारियों का कहना है कि स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वेस्ट यूजर चार्ज का समय पर भुगतान जरूरी है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- राजस्व बढ़ाने के लिए रांची नगर निगम ने डिजिटल पेमेंट और एप को दिया बढ़ावा
- दो लाख 25 हजार से अधिक हाउस होल्डर्स हैं रजिस्टर्ड

- कलेक्शन बढ़ाने के लिए होल्डिंग टैक्स के 100 बड़े बकाएदारों को भेजा गया नोटिस
- वेस्ट यूजर चार्ज नहीं देने वाले को भी निगम ने दिया सात दिनों का अल्टीमेटम

सुरक्षित और सरल तरीके से कर का भुगतान

राजस्व बढ़ाने और शहर के लोगों को सुविधा देने के उद्देश्य से रांची नगर निगम ने डिजिटल पेमेंट सिस्टम को मजबूती दी है। टैक्स और यूजर चार्ज के भुगतान को आसान बनाने के लिए पेमेंट मित्र एप को लॉन्च किया गया है। इस एप के जरिए लोग घर बैठे सुरक्षित और सरल तरीके से टैक्स का भुगतान कर पा रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण भुगतान प्रक्रिया पारदर्शी हुई है और टैक्स लीकेज पर भी काफी हद तक रोक लगी है। इसके अलावा डोर स्टेप कलेक्शन, काउंटर पर टैक्स जमा करने की भी सुविधा लोगों को दी गई है। जिससे लोग बिना किसी परेशानी के अपना टैक्स नगर निगम में आसानी से जमा कर पा रहे हैं।

इस बार पिछले साल का भी टूट जाएगा रिकॉर्ड

मिशन 100 करोड़ के तहत अब तक करीब 83 करोड़ रुपये का कलेक्शन हो चुका है। निगम अधिकारियों को उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले शेष लक्ष्य भी पूरा कर लिया जाएगा। इससे शहर के विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। वही एक अधिकारी ने बताया कि नगर निगम ने पिछले वित्तीय वर्ष में 92 करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन सभी केटेगरी में किया था। लेकिन इस बार दिसंबर समाप्त होने के बाद 83 करोड़ का आंकड़ा पर कर चुका है। मार्च तक 100 करोड़ कलेक्शन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी विभागों ने जोर लगा दिया है। टैक्स कलेक्शन का यह आंकड़ा पिछले पांच सालों में सबसे अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में निगम ने 70 करोड़ रुपये टैक्स कलेक्शन किया था।

जेएमएफ ने प्रतिदिन पांच लाख लीटर दूध खरीदने का रखा लक्ष्य

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (जेएमएफ) ने अब प्रतिदिन पांच लाख लीटर दूध खरीद का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में राज्य के सभी 24 जिलों से प्रतिदिन 2.50 लाख लीटर दूध की खरीद की जा रही है। इससे राज्य में लगभग 70,000 ग्रामीण परिवारों को आजीविका का एक वैकल्पिक साधन भी उपलब्ध कराया गया है। बताते चलें कि 2016 में एनडीडीबी ने झारखंड मिल्क फेडरेशन के लिए रांची के होटवार में एक लाख लीटर क्षमता वाले अत्याधुनिक डेयरी संयंत्र बनाने में सहयोग किया था। फिलहाल झारखंड में 6 अत्याधुनिक डेयरी संयंत्र हैं। इसका उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी को आजीविका के स्रोत के रूप में बढ़ावा देना है। साथ ही झारखंड को दूध और दूध उत्पादों में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। वहीं इस दूध की गुणवत्ता में सुधार के लिए मेधा डेयरी के पशु आहार संयंत्र के लिए कैल्साइट पाउडर, नमक और विटामिन ई की खरीद की जाएगी। इसके लिए आयोडाइज नमक 40 हजार किलोग्राम, कैलिशियम पाउडर 60 मिट्रिक टन और विटामिन ई-175 किलोग्राम की खरीद की जाएगी।

शिक्षक ने शुरू की निःशुल्क एंबुलेंस सेवा

RANCHI : राजधानी रांची से एक ऐसी पहल सामने आई है, जिसने आपात स्थिति में आम लोगों के लिए राहत और भरोसे का नया रास्ता खोल दिया है। डॉ. अमरदीप सिन्हा ने समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क एंबुलेंस सेवा शुरू कर एक नई मिसाल कायम की है। यह सेवा खासतौर पर उन मरीजों के लिए राहत बनकर आई है, जो आर्थिक मजबूरी या संसाधनों की कमी के कारण समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते। डॉ. सिन्हा की इस पहल के तहत गंभीर और आपातकालीन मरीजों को बिना किसी शुल्क के अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। कई बार एंबुलेंस की अनुपलब्धता या अधिक किराये के कारण मरीजों की हालत बिगड़ जाती है। ऐसे समय में यह सेवा लोगों के लिए भरोसेमंद सहारा बन रही है और कई जिंदगियों को समय पर उपचार मिल पा रहा है।

अड्डेबाजी को लेकर रिपोर्टर ने पुलिस से की थी शिकायत

रांची में अपराधी बेखौफ, पत्रकार के घर लहराया पिस्टल, हत्या की धमकी, हिरासत में दो युवक

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में अपराधी इतने बेखौफ हो गए हैं कि अड्डेबाजी की सूचना देने पर पत्रकार को धमकाया गया है। मामला रांची के नामकुम का है। यहां एक पत्रकार के घर के बाहर दो अपराधियों ने पिस्टल लहराया और जान से मारने की धमकी दी। पत्रकार सुरजमणि सिंह के नामकुम स्थित घर पर 31 दिसंबर की देर रात नशे में धुत दो अपराधी हाथों में पिस्टल लेकर पहुंचे और पत्रकार को जान से मारने की धमकी दी। अपराधियों के पिस्तौल लहराते और धमकी देने की पूरी वारदात

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामले में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत मे लिया है। जांच में हथियार लहराने की बात सामने आई है। जांच में पता चला है कि युवक नकली हथियार लेकर लहरा रहे थे। फिलहाल पूछताछ में जुटी पुलिस। पत्रकार सुरजमणि सिंह ने बताया कि दो युवक हथियार लेकर उनके घर के बाहर पहुंचे थे और उन्हें गाली देने के साथ-साथ जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पत्रकार ने बताया कि मोहल्ले में एक यूनिवर्सिटी के छात्रों के द्वारा अक्सर रैश ड्राइविंग और अड्डेबाजी की जाती है। इस मामले को लेकर उन्होंने पुलिस से शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने ऐसे तत्वों के खिलाफ दबिश दी थी। इसके बाद अपराधियों के द्वारा घर पर पहुंचकर उन्हें धमकाया गया।

वैश्य मोर्चा ने अपने घरों में लगाया पीला झंडा

RANCHI : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने 1 जनवरी से झंडा लगाओ अभियान की शुरुआत की है। सुबह से वैश्य मोर्चा के केंद्रीय पदाधिकारियों, सदस्यों और जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने घरों में झंडा लगाना शुरू किया। इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु (भुरकुंडा), कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु (कांके), केंद्रीय उपाध्यक्ष दिनेश्वर मंडल (चिदरी), प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार (गोला), उप-प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता (ओरमांझी), केंद्रीय सदस्य जे.पी अग्रवाल (भुरकुंडा), हरिदास साव (पतरातू), मुकेशलाल सिंदूरिया (भुरकुंडा),कुणाल प्रसाद (लोहरदगा),बोकारो जिलाध्यक्ष बोधन साव, उपाध्यक्ष सहदेव मंडल (बरई, गोमिया), युवा मोर्चा के सचिव आदित्य पोद्दार (सुकुरहुट्टू), छात्र मोर्चा के सचिव मनोज चौरसिया (गुमला), सुबोध कुमार (टंडवा) आदि ने अपने-अपने घरों के ऊपर वैश्य मोर्चा का झंडा लगा कर वैश्य मोर्चा का मांग को बुलंद किया। इस अवसर पर वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि पीला झंडा वैश्य समाज की शान और पहचान है।

अच्छी पहल — खिलाड़ियों को बेहतर ट्रेनिंग देने के लिए उत्कृष्टता केंद्रों में होगी बहाली

खेल प्रतिभाएं भरेंगी उड़ान, देश-दुनिया में मिलेगी नई पहचान

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार ने खिलाड़ियों को बेहतर ट्रेनिंग देने के लिए अच्छी पहल की है। कई खेलों में झारखंड के खिलाड़ी बेहतर करते हैं। उनकी प्रतिभा को ऊंची उड़ान देने के लिए सरकार ने उत्कृष्टता केंद्रों में नई बहाली का फैसला क्या है। झारखंड खेल प्राधिकरण की ओर से राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों के संचालन और सुदृढ़ीकरण के लिए 53 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। यह पहल कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में की जा रही है। इसका उद्देश्य खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। उत्कृष्टता केंद्रों में आधुनिक प्रशिक्षण, पेशेवर कोचिंग और समग्र सहयोग प्रणाली विकसित की जा रही है, ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। भर्ती प्रक्रिया के तहत खेल प्रशिक्षण और सहयोग से जुड़े विभिन्न तकनीकी व सहायक पदों को शामिल किया गया है।

सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से 53 पदों पर भर्ती के लिए जारी किया गया है विज्ञापन

आधुनिक प्रशिक्षण, पेशेवर कोचिंग व समग्र सहयोग प्रणाली की जा रही विकसित

- हेड कोच के 8, कोच के 9, सहायक कोच के 5, फिजियोथेरेपिस्ट के 7 सहित अन्य पदों पर होगी नियुक्ति

तैयार किया जाएगा अनुकूल वातावरण

इनमें हेड कोच के 8 पद, कोच के 9 पद, सहायक कोच के 5 पद, फिजियोथेरेपिस्ट के 7 पद, न्यूट्रिशनिस्ट के 4 पद, मसाजर के 9 पद तथा वार्डन के 11 पद शामिल हैं। इन पदों की योजना इस प्रकार की गई है कि प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र में योग्य और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हो सके। सरकार का मानना है कि इन नियुक्तियों से खिलाड़ियों के विकास, चोट की रोकथाम, रिकवरी, पोषण प्रबंधन और अनुशासित आवासीय देखरेख के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार आएगा और खिलाड़ियों को समग्र सहायता मिलेगी। पिछले कुछ वर्षों में झारखंड सरकार ने खेल अवसंरचना के विकास, प्रतिभा पहचान और खिलाड़ी कल्याण के क्षेत्र में लगातार निवेश किया है।

रोजगार के नए अवसर भी होंगे उत्पन्न

राज्य भर में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना और उन्हें सुदृढ़ करने की यह पहल झारखंड को देश के अग्रणी खेल केंद्रों में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास मानी जा रही है। यह भर्ती न केवल उत्कृष्टता केंद्रों की संचालन क्षमता को बढ़ाएगी, बल्कि खेल से जुड़े पेशेवरों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी। सरकार का लक्ष्य युवाओं को सशक्त बनाना और खेल आधारित विकास को बढ़ावा देना है। हेमंत सरकार ने स्पष्ट किया है कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। खिलाड़ियों और खेल प्रतिभाओं को निरंतर सहयोग देकर राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक खेल मंच पर नई पहचान दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

शहीदों को चिह्नित करेगा न्यायिक आयोग : सीएम

शहीद स्थल पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, खरसावां गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद किया एलान

PHOTON NEWS SERAIKELA : एक जनवरी 1948 को हुए खरसावां गोलीकांड के शहीदों को चिह्नित करने के लिए एक न्यायिक आयोग बनाया जाएगा। इसका मसौदा तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को खरसावां पहुंचे। यहां वह सीधे शहीद स्थल गए और खरसावां गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। सीएम के साथ राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा, चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव और ईचागढ़ की विधायक सविता महतो भी थीं। सभी ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सीएम सभास्थल पर पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। शहीद स्मारक समिति की तरफ से भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि खरसावां गोलीकांड के शहीदों को खोज-खोज कर सम्मान दिया जाएगा। इसका मसौदा तैयार कर लिया गया है। सीएम ने कहा कि यह मसौदा उनके पास है। वह इसे समझ रहे हैं। देख रहे हैं कि इसमें प्रशासनिक अधिकारियों को क्या रोल होगा। कैसे शहीदों को चिह्नित किया जाएगा। सीएम ने कहा कि वह पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद ही इस मसौदे पर मुहर लगाएंगे। शहीदों की खोज के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। रिटायर्ड जज इसमें रखे जाएंगे। अगले साल के शहीद दिवस से पहले ही इस गोलीकांड के शहीदों को खोज कर उन्हें सम्मान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही खरसावां के शहीद पार्क को भव्य बनाया जाएगा और उसे हमेशा के लिए आम जनता को समर्पित किया जाएगा। अभी यह पार्क सिर्फ एक जनवरी को खोला जाता है।

आज शहीद दिवस और साल की पहली तारीख भी है। पूरी दुनिया के लिए नया साल हैप्पी न्यू ईयर का दिन है। मगर, झारखंड के आदिवासी, मूलवासी, किसान और मजदूरों के लिए यह शहीद दिवस है। लोग आज पिकनिक मना रहे हैं। मगर, हम सब यहां शहीदों को याद करने के लिए जुटे हैं।

सीएम ने कहा कि झारखंड प्रदेश का गौरवपूर्ण इतिहास है। कोल्हान हो या संथाल का इलाका। उत्तरी दक्षिणी छोटानागपुर हो या पलामू प्रमंडल। शहीदों के इतिहास से झारखंड भरा पड़ा है। इतने शहीद शायद ही किसी राज्य में हों। यहां जल-जंगल, जमीन और खनिज संपदा को लूटने के लिए कुछ लोग आमादा हैं। यह काम आज से नहीं सौ साल पहले से चल रहा था।

इसी को बचाने के लिए यहां के वीर सपूतों ने अपनी जान की कुर्बानी दी थी। हम अंग्रेजों से लड़े। कभी पुलिस की गोली खाई। हेमंत सोरेन ने कहा कि हम लोग लड़े हैं, तभी बचे हैं। इसकी सबसे बड़ी मिसाल खरसावां शहीद दिवस है। हम ऐसे वीर सपूतों के वंशज हैं जिन्होंने कभी हार नहीं मानी। चाहे वह अंग्रेजों का शासन हो या पुलिस का बर्बर अत्याचार। इसी जज्बे को कायम रखने के लिए हम वीर शहीदों को याद रखते हैं और उनके समाधि स्थल पर आकर शीष झुकाते हैं। किसान और मजदूरों को आजकल कोई कुछ देने वाला नहीं है। बल्कि, उनके अधिकार को छीनने वाले लोग हैं। कोई पूंजीपति कभी हमारे आंख के आंसू नहीं पोंछेगा। सीएम ने कहा कि जब भी उन्हें मौका मिला शहीदों को नमन कर अपना संघर्ष किया। इसका परिणाम भी हमें मिल रहा है। इसीलिए हम शहीदों को सम्मान दे रहे हैं। सीएम ने संथाल परगना के वीर सिदो-कान्हू का भी नाम लिया।

खरसावां में शहीद स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन • फोटोन न्यूज

ओडिशा से अलग रखने की मांग पर हुआ था आंदोलन

गौरतलब है कि आजादी के बाद खरसावां को ओडिशा से जोड़ने का एलान किया गया था। इस फैसले के विरोध में आदिवासियों ने आंदोलन शुरू किया। इसी आंदोलन को लेकर आदिवासियों की एक भीड़ खरसावां हाट बाजार में एक जनवरी साल 1948 को जुटी थी। इस दिन खरसावां में साप्ताहिक हाट था। इस वजह से बाजार में खरीद-फरोख्त करने वाले भी आए थे। कहा जा रह है कि शांतिपूर्ण भीड़ पर ओडिशा की तत्कालीन पुलिस ने गोली चलाई थी। गोली मशीनगन से चलाई गई थी। इस गोलीकांड में कई लोग मारे गए थे। इसी घटना की याद में हर साल एक जनवरी को यहां शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इस घटना को दूसरा जलियांवाला बाग हत्याकांड कहा जाता है।

रघुवर सरकार में दो शहीद हुए थे चिह्नित : दशरथ गागराई

खरसावां के विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में यह बड़ा गोलीकांड है। यह गोलीकांड तब हुआ था, जब देश की आजादी के साढ़े चार महीने ही हुए थे। जब पूरा देश नए साल का जश्न मना रहा था, तभी ओडिशा सरकार ने यहां आदिवासी समाज के लोगों पर गोली चलाई थी। तब से एक जनवरी को आदिवासी समाज नए साल का जश्न नहीं मनाता। तब से आदिवासी समाज एक जनवरी को शोक दिवस मनाता है। झारखंड ही नहीं ओडिशा, बंगाल और छत्तीसगढ़ से भी आदिवासी समाज के लोग खरसावां आकर शोक दिवस में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक सरकार की तरफ से उन लोगों को चिह्नित नहीं किया जा सका कि इस गोलीकांड में कौन-कौन शहीद हुए। दशरथ गागराई ने कहा कि जब वह साल 2014 में पहली बार विधायक बने तो उन्होंने विधानसभा में मांग उठाई थी कि एक न्यायिक जांच आयोग गठित कर शहीदों को चिह्नित किया जाए। इसके बाद तत्कालीन सीएम रघुवर दास ने एक जांच आयोग गठित किया। इसके बाद खरसावां के महादेव बूटा और कुचाई के बाईडीह के सिंगराय बोदरा को चिह्नित कर उनके परिजनों को एक-एक लाख रुपये दिए गए। मगर बाद में साल 2017 में जब तत्कालीन सीएम रघुवर दास खरसावां शहीद स्थल शहीदों को श्रद्धांजलि देने आए तो सीएनटी-एसपीटी के मुद्दे पर लोगों ने दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से उनका विरोध किया था। उन पर चप्पलें फेंकी गई थी। इसके बाद शहीदों के चिह्नितीकरण का काम रोक दिया गया था। उन्होंने मांग की है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दोबारा इस काम को शुरू करें। झारखंड के बाहर के लोग भी यहां शहीद हुए थे। उनको भी चिह्नित करने की विधायक ने मांग उठाई। दशरथ गागराई ने कहा कि शहीद स्थल के पास झामुमो का झंडा लगा था। इस झंडे को किसी ने हटा दिया है और वहां दूसरी पार्टी का झंडा लगा दिया है। इस मुद्दे पर विधायक ने कहा कि जिसने यह काम किया है, वह अपनी ओछी मानसिकता को त्याग कर अब इस बात पर दिमाग लगाए कि शहीदों को श्रद्धांजलि देने आने वालों को किस तरह से सहूलियत प्रदान की जा सके।

पेसा एक्ट लागू, अब हमें बचानी होगी जमीन

सीएम ने कहा कि पेसा एक्ट लागू कर दिया गया है। अब हमें आदिवासियों की जमीन बचानी होगी। लोगों से आह्वान किया है कि अगर आप अपने खेतों में धान की खेती नहीं कर रहे हैं, तो बिजली पैदा कीजिए। अपनी जमीन पर सोलर पैनल लगाएं। इससे बिजली पैदा करें और सरकार को बेच कर कमाई करें। सीएम ने कहा कि अगर अपना वजूद बचाना है तो लोगों को शिक्षित बनना होगा। सरकार ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेज खोले हैं। झारखंड के आदिवासी बच्चे विदेश में भी पढ़ रहे हैं और पूरा खर्च राज्य सरकार वहन कर रही है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड के जरिए शिक्षा के लिए चार प्रतिशत के ब्याज दर पर आप पढ़ाई के लिए 15 लाख रुपये का लोन ले सकते हैं। सीएम ने कहा कि हम मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह दे रहे हैं। जबकि, पड़ोसी राज्यों में विरोधी सिर्फ एलान कर सरकार बना रहे हैं, योजना को धरातल पर नहीं उतार रहे हैं। सीएम ने कहा कि झारखंड को अग्रणी राज्य की पंक्ति में खड़ा करना है। सीएम ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु की वजह से ही झारखंड अलग राज्य मिला है।

समाचार सार

उत्कर्ष कुमार ने संभाला डीडीसी का पदभार

CHAIBASA : 2021 बैच के आईएएस उत्कर्ष कुमार ने गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपविकास आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे रांची के एसडीओ थे। समाहरणालय स्थित उपविकास आयुक्त के कार्यालय में उन्होंने निवर्तमान उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा से प्रभार लिया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कार्यालय कर्मियों से परिचय प्राप्त किया व सभी को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन ईमानदारीपूर्वक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सीआरपीएफ ने ग्रामीणों में बांटी खुशी

CHAIBASA : सारंडा के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र बिटकिलसोय स्थित सीआरपीएफ कैंप के जवानों ने ग्रामीणों के साथ नववर्ष की खुशियां बांटी। ढोल-नगाड़ा के साथ नाचते-गाते हुए एक-दूसरे को नए साल की बधाई दी। इसके साथ ही सीआरपीएफ जवानों ने ग्रामीणों के लिए विभिन्न प्रकार के पकवान की भी व्यवस्था की थी। जवानों ने ग्रामीणों को दैनिक उपयोग के सामान और छोटे बच्चों में मिठाई व चॉकलेट बांटे। इस मौके पर सीआरपीएफ 134 बिटकिलसोय कैंप के द्वितीय समादेष्टा पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि नए साल पर अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। यह माहौल बता रहा है कि अब अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र से भी नक्सलियों का खत्मा तय है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि किसी प्रकार की दिक्कत हो, तो हमें बताएं। चाहे वह स्वास्थ्य हो या पढ़ाई-लिखाई, सभी में सीआरपीएफ के जवान ग्रामीणों के साथ है। इस मौके पर जराईकेला थाना के एसआई अविनाश हेम्ब्रम भी उपस्थित थे।

याद किए गए पोटो, नारा व बढ़ाए हो

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर में झारखंड पुनरुत्थान अभियान एवं रैयत संघर्ष समन्वय समिति के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानी पोटो हो, नारा हो व बढ़ाए हो को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत देवराज हेंब्रम ने वीर शहीदों की पूजा-अर्चना से की गई। इसके पश्चात उपस्थित लोगों ने बरगद के तने पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड पुनरुत्थान अभियान महिला उत्थान मंच की अध्यक्ष आशा पुरती ने की, जबकि संचालन अभियान के जिला उपाध्यक्ष विकास केराई ने किया। सभा के मुख्य वक्ता बनतीरिए पीढ़ के मानकी कृष्णा सिंकु ने कहा कि इतिहास केवल बीते घटनाक्रमों का संकलन नहीं, बल्कि वर्तमान की समीक्षा और भविष्य के लिए चिंतन का अवसर देता है। यह समझना आवश्यक है कि पोटो हो, नारा हो और बढ़ाए हो को फांसी क्यों दी गई। आने वाली पीढ़ियां इनके संघर्षों और बलिदानों से सीख ले। कार्यक्रम को सुरेश सोय, जगदीश चंद्र सिंकु, पूर्व प्रधानाध्यापक इम्तियाज नजीम, केंद्रीय अध्यक्ष सन्नी सिंकु, केंद्रीय महासचिव अमृत मांझी, स्टूडेंट्स विंग के मेंटर बासिल हेंब्रम, नारायण कांडेयांग आदि ने भी संबोधित किया।

11 प्रशिक्षु आईएएस पहुंचे जमशेदपुर

JAMSHEDPUR : भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 11 प्रशिक्षु अधिकारी विंटर स्टडी टूर के तहत दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर जमशेदपुर पहुंचे। इस अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों को उद्योग, वाणिज्य, वित्तीय व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, संसाधन प्रबंधन एवं क्षेत्रीय विकास की व्यावहारिक समझ प्रदान करना था। पहले दिन इन्होंने टाटा स्टील प्लांट का भ्रमण कर औद्योगिक उत्पादन, आधुनिक तकनीक, संसाधन प्रबंधन एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने पीएन बोस मेमोरियल व ट्राइबल कल्चर सेंटर का भी भ्रमण किया, जहां उन्हें जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं सामाजिक संरचना की जानकारी दी गई। वहीं सेंटर फॉर एक्सीलेंस के भ्रमण के दौरान कौशल विकास, नवाचार एवं मानव संसाधन सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों से अवगत कराया गया। यह शैक्षणिक भ्रमण प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, जिससे उन्हें नीति निर्माण, औद्योगिक विकास, आर्थिक गतिविधियों एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग की व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई। शैक्षणिक भ्रमण में शामिल प्रशिक्षु अधिकारियों में हरिप्रसाथ एम, सुशांत कुमार, शिवानी मोहन, सक्षम भाटिया, पाटिल कृष्णा बाबरुवान, कुमुद मिश्रा, फरखंदा कुरैशी, दिव्यांश मीणा, अभिषेक कुमार सिंह, गोवसिका पी.आर. व अंकित पांडेय शामिल थे।

चक्रधरपुर के जोड़ो गांव में दिनदहाड़े डकैती 5 लाख के जेवरात व 85 हजार नकद लूटे

घर के बाहर बैठे थे बुजुर्ग, परिवार के सदस्य गए थे पिकनिक

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाना अंतर्गत जोड़ो गांव में गुरुवार को दिनदहाड़े डकैती हो गई। बेखौफ डकैतों ने कार से आकर राजेश प्रधान के घर को निशाना बनाया। डकैत घर के दरवाजे और अलमारी तोड़कर लगभग 5 लाख रुपये के जेवरात व 85 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए।

बताया जाता है कि पूरी घटना 8-10 मिनट में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त घर के बाहर बुजुर्ग बैठे हुए थे। परिवार के सभी सदस्य पिकनिक मनाने गए थे।

टूटी अलमारी

इसी बीच दोपहर करीब साढ़े तीन बजे कार से आए 6 डकैतों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास के लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। डकैती की सूचना मिलते ही पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पूरे इलाका में घेराबंदी कर छापामारी शुरू कर दी गई। चक्रधरपुर थाना की पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।। दिनदहाड़े इस तरह की डकैती से ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

JAMSHEDPUR : एमजीएम थाना पुलिस हिरासत में एक 22 वर्षीय युवक की बुधवार देर रात संदिग्ध मौत हो गई। मृतक की पहचान गोकुलनगर निवासी जीत महतो के रूप में हुई है। युवक की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

परिजनो का आरोप है कि चोरी के एक मोबाइल फोन की जांच के नाम पर पुलिस ने जीत महतो को हिरासत में लेकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, रविवार को पुलिस बिना किसी नोटिस के जीत को उसके घर से उठा कर ले गई थी। आरोप था कि उसने 500 रुपये में एक मोबाइल फोन खरीदा था, जो चोरी का निकला। हालांकि परिजनों का कहना है कि जीत को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि मोबाइल चोरी का है। परिवार ने यह भी बताया कि युवक उस समय बीमार था और ठीक से चल भी नहीं पा रहा था, इसकी जानकारी पुलिस को दी गई थी, इसके बावजूद उसे हिरासत में ले लिया गया।

साकची की शराब दुकान में घुसी तेज रफ्तार कार

घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार का अगला हिस्सा व दुकान • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : नए साल के जश्न के बीच गुरुवार एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे स्थित शराब दुकान से जा टकराई। शाम चार बजे हुई टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में कार में बैठे चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही साकची थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए टीएमएच भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो कार को जब्त कर लिया है। पुलिस को कार के अंदर से शराब की बोतलें भी मिली हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि वाहन सवार नशे की हालत में थे। घटना के समय सड़क लगभग सुनसान थी, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

रन फॉर रामदास में दौड़े लोग खुला निःशुल्क कोचिंग सेंटर

घाटशिला में दौड़ लगाते युवा • फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला के मऊभंडार ताम्र प्रतिभा मंच मैदान में गुरुवार को पूर्व मंत्री रामदास सोरेन की 62वीं जयंती पर 'रन फॉर रामदास' का आयोजन हुआ। 10 किलोमीटर की दौड़ में बच्चे व युवा काफी संख्या में शामिल हुए। आरडीएस फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक सोमेश चंद्र सोरेन के साथ स्व. रामदास सोरेन की पत्नी सूरजमोनी सोरेन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत स्व. रामदास सोरेन की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस मौके पर आरडीएस फाउंडेशन ने अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला को एक एंबुलेंस भेंट की। वहीं माटीकला भवन लालाडीह में निःशुल्क आरडीएस अकादमी कोचिंग केंद्र की स्थापना की गई। जहां स्थानीय छात्र-छात्राओं को जेपीएससी, जेईटी, जेएसएससीऔर आईएएस आदि की परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। इसी क्रम में घाटशिला स्थित झामुमो के संपर्क कार्यालय के सामने पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन तथा पूर्व मंत्री रामदास सोरेन की प्रतिमाओं का अनावरण किया गया।

जयंती पर झामुमो ने रामदास को दी श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : साकची स्थित कैंप ऑफिस में गुरुवार को राज्य के पूर्व मंत्री रामदास सोरेन की 62वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान झामुमो नेताओं व कार्यकताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया, उनमें घाटशिला के विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, जिला प्रमुख बाघराय मार्डी, बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती, प्रमोद लाल, पूर्व सांसद सुमन महतो, कमलजीत कौर गिल, लालटू महतो, खुदु उरांव, अजय रजक, प्रीतम हेंब्रम, विद्यासागर दास, श्यामल रंजन सरकार, गुरमीत सिंह गिल, रमेश मुर्मू, गोपाल महतो, संदीप चक्रवर्ती, डी राकेश राव, नीता सरकार, बाल्ही मार्डी, सविता सिंह, रजनी दास, झरना पाल, धीरेन मार्डी, अभय पांडे, उमेश गिरी, चंदन लाल, अंकित सिंह आदि शामिल थे।

एक्सएलआरआई में 17-18 को झुमाएंगे सिंगर मोहित चौहान

JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआई परिसर में 17-18 जनवरी को मार्केटिंग एसोसिएशन ऑफ एक्सएलआरआई (मैक्सी) का आयोजन होगा, जिसमें सिंगर मोहित चौहान भी अपने गानों से सबको झुमाएंगे। यह कार्यक्रम 18 जनवरी की शाम को होगा। आयोजकों ने बताया कि मैक्सी फेयर में शहर के लगभग 10 हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है। यह मेला न केवल मनोरंजन से भरपूर होगा, बल्कि सीखने और नवाचार के अवसर भी प्रदान करेगा। मैक्सी फेयर में हर आयु वर्ग के लिए विविध आकर्षण रखे गए हैं। बच्चों और युवाओं के लिए गेस द आर्टिस्ट, आर्ट अटैक, डांस मेनिया, मास्टर शेफ, मिस्टर एंड मिस जमशेदपुर, फैशन शो और डांस प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियां खास आकर्षण होंगी। इसके अलावा

फूड स्टॉल और मार्केटिंग स्टॉल के बीच तैयार किया गया आकर्षक सेल्फी कॉर्नर दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय रहने की उम्मीद है। मेले में स्थानीय उद्यमियों और स्टार्टअप्स को भी अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। मैक्सी फेयर को लेकर आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन न केवल एक उत्सव है, बल्कि शिक्षा, मनोरंजन और उद्योग के बीच सेतु का काम करता है। शहरवासियों के लिए यह दो दिवसीय मेला यादगार अनुभव साबित होने की उम्मीद है।

8 दिन बाद मिला किशोर का शव, स्कूटी भी मिली

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में 8 दिनों बाद 15 वर्षीय प्रताप साहू का शव मिला। उसकी स्कूटी भी मिली। प्रताप मंझारी थाना अंतर्गत बाकीमारा गांव का निवासी था और मुफस्सिल थाना अंतर्गत घाघरी में अपनी बहन के घर रहता था। जानकारी के अनुसार 24 दिसंबर को प्रताप साहू स्कूटी लेकर घाघरी से मंझारी के बाकीमारा गांव गया था, लेकिन वापस नहीं आया। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। 1 जनवरी को सुबह में कुछ ग्रामीण शौच के लिए तोरलो नदी की तरफ गए थे, तो उन्होंने पानी में उतराता हुआ शव देखा। ग्रामीणों ने तुरंत तांतनगर थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। पुलिस ने बताया कि शव की पहचान प्रताप साहू के रूप में हुई है, उसकी मौत नदी में स्कूटी समेत गिर जाने से हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव पानी में रहने के कारण गल गया है।

नववर्ष रूसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस में केक कटिंग के दौरान टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा-

चीन की चुनौती के बावजूद टाटा स्टील की घरेलू बाजार में स्थिति मजबूत

PHOTON NEWS JSR : नववर्ष के मौके पर टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा है कि कंपनी कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण के नए सरकारी नियमों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को लेकर पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार में टाटा स्टील की सीधी प्रतिस्पर्धा चीन से है, लेकिन गुणवत्ता, तकनीक और विस्तार के जरिए कंपनी अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखेगी। गुरुवार को आयोजित नववर्ष कार्यक्रम में टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा कि भारत सरकार की ओर से कार्बन उत्सर्जन को सीमित करने के लिए जारी किए गए नोटिफिकेशन उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक हैं। उन्होंने बताया कि

केक काटते टीवी नरेंद्रन व वीपी-सीएस डीबी सुंदर रामम व टुन्नू चौधरी

यूरोप में इस तरह के नियम पहले से लागू हैं और अब भारत में इन्हें लागू किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उद्योग को भी नई दिशा मिलेगी। वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बात करते हुए नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील की मुख्य प्रतिस्पर्धा चीन से है, जहां कम लागत पर स्टील का उत्पादन हो रहा है। इसी कारण चीन इस क्षेत्र में आगे है, लेकिन टाटा स्टील नवाचार, गुणवत्ता और टिकाऊ विकास के जरिए इस चुनौती का सामना कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाला वर्ष कंपनी के लिए कई नए कार्यों और योजनाओं का वर्ष होगा।

नववर्ष पर लोगों ने नकटी डैम में उठाया बोटिंग का आनंद

CHAIBASA : नववर्ष का उल्लास पश्चिमी सिंहभूम जिले के पर्यटन स्थलों पर खूब दिखा। पहले दिन गुरुवार को पिकनिक स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ी। ईचा-कुजू, हिरणी फॉल, नकटी डैम, संगम नदी, लुपुंगुटू, पंसुवा डैम, तोरलो डैम, बेनीसागर नदी, रामतीर्थ वैतरणी, जुबिली लेक, शहीद पार्क, रुंगटा गार्डन और कोयल नदी जैसे स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मनाने पहुंचे। नकटी डैम में काफी लोगों ने बोटिंग का आनंद लिया। इन सभी स्थानों पर जिला पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे।

बुरुडीह डैम पर नए साल का जश्न मनाने उमड़ी भीड़

GHATSILA : नए साल के पहले दिन गुरुवार को घाटशिला अनुमंडल के कई पर्यटन स्थल पर्यटकों व स्थानीय लोगों से गुलजार रहे। अनुमंडल के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में एक घाटशिला के बुरुडीह डैम में पर्यटक एवं स्थानीय लोगों की सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिली। कई लोगों ने डैम में बोटिंग का लुत्फ भी उठाया। पर्यटकों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। दंडाधिकारी के साथ घाटशिला के थाना प्रभारी वंश नारायण सिंह भी पुलिस बल के साथ सुरक्षा की कमान संभाल रहे थे। डैम के आसपास सुबह से ही पिकनिक मनाने वालों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। लोग खाना बनाने के सामान के साथ भी पहुंचे थे। दिन के 12 बजते-बजते डैम के आसपास पैर रखने की जगह नहीं थी। कुछ लोग पिकनिक मनाने के साथ साथ घूमने के लिए तैयार भोजन लेकर आए थे। डैम के किनारे खिलौने, गोलगप्पे, चाउमिन, आइसक्रीम आदि की भी कई दुकानें लगी थीं। दोपहर तीन बजे के बाद डैम स्थानीय लोगों से पूरी तरह भर गया। कई बार बुरुडीह डैम की सड़को पर जाम की स्थिति भी उत्पन हो गई। दूसरी ओर गालूडीह बराज और जादूगोड़ा के रंकिणी मंदिर परिसर में भी पर्यटकों की भीड़ देखी गई।

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है।

स्वस्थ जीवन के चार स्तंभ

स्वास्थ्यवर्धक आहार बीमारियों से बचाव का कारगर उपाय है। कैंसर के एक तिहाई मामलों में कहीं न कहीं पोषण की कमी ज़िम्मेदार होता है। रोगाणुओं का आक्रमण होने पर शरीर इससे किस तरह उबरता है, यह आपके आहार पर काफी निर्भर होता है। शरीर को सभी पोषक तत्व मिलने से रोग प्रतिरोधक प्रणाली बेहतर ढंग से कार्य करेगी।

अच्छे खानपान से स्फूर्ति बनी रहती है। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों मिलते रहें तो कोशिकाओं का पुनर्जीवन और ऊतकों की मरम्मत आसानी से होती है। दूसरी ओर शरीर में इनकी कमी हो तो यह काम मुश्किल हो जाता है और बीमारी से उबरने के लिए शरीर को मशक्कत करनी पड़ती है या वो यह काम ठीक से कर ही नहीं पाता। नतीजा बीमारी के रूप में सामने आता है।

कसरत बनाए ताक़तवर

अधिकतर बीमारियों से उबरने के लिए आराम जरूरी होता है। लेकिन आराम करके कुछ ठीक होने के बाद शारीरिक गतिविधि फिर से शुरू करना भी उतना ही जरूरी है। इससे मांसपेशियां तो मजबूत होंगी ही, मनोबल भी बढ़ेगा।

व्यायाम करने के लिए ज़रूरी नहीं कि जिम या हेल्थ क्लब जॉइन किया जाए, पैदल चलना या घर के काम करना भी उतना ही फायदेमंद होता है। हर हफ्ते कम से कम पांच दिन तीस मिनटों के लिए कोई ऐसा काम या गतिविधि करें जिससे आपको थोड़ी थकान महसूस हो।

नींद से होगी मरम्मत

आपने कभी ध्यान दिया होगा कि जब थके होने पर आप संक्रमण के कब्जे में जल्दी आते हैं। अमेरिका स्थित कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के एक शोध से पता चला कि व्यक्ति जितनी कम नींद लेगा, सर्दी-जुकाम की चपेट में उतना ही आसानी से आ जाएगा। ऐसा इसलिए हो सकता है कि नींद की कमी से रोग प्रतिरोधक प्रणाली प्रभावित होती है और इसकी संक्रमण से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

हमारे शरीर को चलायमान और स्वस्थ रखने के लिए निरंतर कई तंत्र काम करते रहते हैं। इन प्रक्रियाओं के दौरान छोटी-मोटी टूट-फूट भी होती हैं। इस तरह की मरम्मत का काम शरीर तब करता है तब हम आराम करते हैं। जब हम सो रहे होते हैं तो अन्य प्रणालियों का काम धीमा हो जाता है इसलिए शरीर इससे बची ऊर्जा को मरम्मत के लिए इस्तेमाल करता है।

यह तो स्वस्थ शरीर की बात हुई। बीमारी या चोट के कारण शरीर में हुई क्षतिपूर्ति के लिए अधिक आराम की आवश्यकता होती है। बढ़िया नींद मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। नींद पूरी न होने पर आप शारीरिक और मानसिक तौर पर उतना अच्छा महसूस नहीं करते हैं। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती उन्हें दर्द का एहसास अधिक होता है और उन्हें बीमारी से उबरने के लिए समय भी अधिक लगता है।

सकारात्मक सोच

किसी भी बीमारी से उबरने में सकारात्मक सोच का बड़ा महत्व है। सकारात्मक सोच का बड़ा फायदा तब मिलता है जब दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवनशैली में कोई बड़ा परिवर्तन घटित होता है। इस सब के अलावा आप इस परिवर्तन से क्या और कितनी उम्मीदें लगा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर यदि आप उच्च रक्तचाप से छुटकारा पाने के लिए जीवनशैली में परिवर्तन कर रहे हैं, और खानपान पर सख्त नियंत्रण साध रहे हैं तब तो आप यह उम्मीद भी करें क्योंकि इससे आपका वजन भी कम होगा। मोटापे से मुक्ति मिलने के साथ ही आप कई रोगों के जोखिम से भी दूर हो जाएंगे।

सही निदान, समय पर शुरू किया गया इलाज और प्रभावी दवा किसी भी बीमारी से उबरने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन मानव शरीर मशीन नहीं होता और बीमारी के ठीक होने की प्रक्रिया हर किसी में अलग-अलग तरह से होती है। आपकी शारीरिक अवस्था, रोग प्रतिरोधक क्षमता और इच्छाशक्ति भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। चार अहम कदम रखेंगे बीमारियों को दूर हर दम।

वजन संतुलित रखने वाले पांच आहार

सलाद

सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

सर्दियों में कैसा हो डाइटचार्ट

सर्दियों का मौसम सेहत बनाने का होता है। इस समय डाइजेशन सिस्टम पूरी क्षमता से काम करता है। सभी हैवी डाइट खाना पसंद करते हैं। ड्राईफ्रूट्स और नट्स मेन्यू में शामिल किए जाते हैं। हैवी डाइट की शर्त है कि उसके साथ खूब कसरत की जाए। हम जैसा भोजन करते हैं, उसका असर हमारे तन व मन दोनों पर होता है। मौसम के बदलते ही अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए हमें अपने भोजन में कुछ फेरबदल करने होते हैं। हेल्थ कांशियस युवाओं के लिए यह मौसम चुनौतियों से भरा होता है। सर्द मौसम में व्यायाम कर अपने शरीर को ऊर्जावान बनाए रखना जरूरी है साथ ही ऐसा आहार जिनकी कम मात्रा लेने पर भी उनके शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। सर्दियों में अपनी डाइट को लेकर आप कन्फ्यूज़ हैं तो हम लेकर आए हैं- सर्दी के मौसम में लो फैट विद हाई कैलोरी से भरपूर भोजन की जानकारी। इन्हें अपने डाइटचार्ट में शामिल कर आप अपने शरीर के बढ़ते वजन को नियंत्रित रख पाएंगे।

सर्दियों में युवाओं की डाइट -इस मौसम में अपने शरीर से थकान व आलस्य को दूर भगाने के साथ ही दिन भर स्फूर्ति और ऊर्जा से भरपूर रहने के लिए युवाओं को डाइट चार्ट का पालन करना चाहिए।

ब्रेकफास्ट सुपर - सुबह का नाश्ता हमें ऊर्जा देता है। नाश्ते में अंडे के साथ ब्रेड, उपमा, सैंडविच, डोसा आदि ले सकते हैं। रोजाना नाश्ते के बाद मलाई निकले हुए एक गिलास गर्म दूध का सेवन करना न भूलें। इन सबके साथ एक प्लेट फ्रूट या वेजीटेबल सलाद आपके नाश्ते को कम्प्लीट करेंगे।

लंच स्पेशल - दोपहर के भोजन में हरी सब्जी, चपाती, ताजा दही या छाछ, छिलके वाली दाल के साथ चावल, गरमा-गरम सूप ले सकते हैं। लंच में हरी चटनी भोजन में मल्टीविटामिन्स की कमी को पूरा करती है।

डिलीशियस डिनर - सर्दियों में रात को आप जल्दी भोजन करने की आदत डालें। रात का भोजन आपके दोपहर के भोजन की अपेक्षा हल्का होना चाहिए। रात को भोजन में आप खिचड़ी या दलिया जैसे हल्के भोजन का सेवन करें। सोने से कम से कम 4 घंटे पहले भोजन करने से शरीर में भोजन का पाचन अच्छे से होता है। रात को सोने से पहले हल्दी, खारेक या अदरक मिले एक गिलास गर्म दूध का सेवन अवश्य करें।

थकान उतारें ऐसे

अधिक परिश्रम करने से शरीर में थकान आ जाती है, शरीर सुस्त हो जाता है। फिर कुछ काम करने का मन नहीं करता, सिर्फ आराम की जरूरत महसूस होती है। थकान उतारने के लिए आप कुछ इस तरह प्रयास करें- अपनी दो अंगुलियों के पोरों से चेहरे की हल्की मालिश करें। इससे ब्लड सर्कूलेशन बढ़ेगा, जिससे आप महसूस करेंगे कि आपकी थकान रफूचक्कर हो गई है।

- नाक के दोनों ओर हल्की मालिश करते हुए धीरे-धीरे दोनों आंखों के बीच वाले भाग से लेकर आंखों के नीचे भी हल्की मालिश करें। फिर इसी तरह से भौहों तक पहुंचें।
- भौहों पर हल्का दबाव डालते हुए अंदर से बाहर की ओर मालिश करें।
- अब आंखों के बाहरी किनारों पर मालिश करते हुए ललाट तक पहुंचें।
- इसके बाद आंखों के एकदम नीचे की ओर आएं। गालों के बीच हल्की मालिश करते हुए फिर ऊपर से ही मसूड़ों की भी मालिश करें। इसके बाद जबड़ों को अंगुलियों की पकड़ में लें और जबड़ों के किनारों पर हल्का दबाव डालें।
- कई बार सुगंधित तेल के प्रयोग से भी शरीर की थकावट को भगाया जा सकता है। सुगंधित तेल से प्रभावित अंग की हल्की मालिश करने से ताजगी महसूस होती है, इसके लिए सुगंधित तेल की कुछ बूंदें वनस्पति तेल में मिलाकर मालिश करनी चाहिए।

विकास के नाम पर जंगलों की सुनियोजित हत्या!

सोनम लववंशी

भारत जैसे देश में यह अपराध और अधिक गंभीर है, जहाँ जंगल केवल पर्यावरणीय इकाई नहीं, सांस्कृतिक स्मृति, जीवन पद्धति और सामाजिक संतुलन का आधार रहे हैं। इसके बाद भी बीते चार वर्षों में देशभर में 78,000 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को गैर-वनीय उपयोग के लिए स्वीकृति दी गई। यह आँकड़ा अपने आप में एक आरोप-पत्र है।

अखबारों की सुर्खियाँ जब किसी शहर पर बंदरों के 'आतंक' की बात करती हैं या किसी गाँव को हाथियों और भालुओं की दहशत में दिखाती हैं, तब समाज सहज रूप से एक निष्कर्ष पर पहुँच जाता है, कि वन्यजीव समस्या हैं। यह निष्कर्ष सुविधाजनक है, भावनात्मक भी और सत्ता-तंत्र के लिए उपयोगी भी। इसी सुविधा के बीच कहीं अधिक भयावह सच अदृश्य बना रहता है और वह है जंगलों पर संगठित, सुनियोजित और वैध ठहराया गया वह आतंक, जो उद्योग, परियोजना और निवेश के नाम पर फैलाया जा रहा है। यह आतंक शोर नहीं करता, खून नहीं दिखाता, फिर भी इसका प्रभाव पीढ़ियों तक महसूस किया जाएगा। दरअसल ग्लोबल वॉर्मिंग आज केवल वैज्ञानिक शब्द नहीं रह गया है। यह हर सूखते जलस्रोत, हर बढ़ती लू, हर अनियमित बारिश और हर जहरीली हवा में दर्ज हो चुका है। पृथ्वी का तापमान लगातार ऊपर जा रहा है और इस बढ़ोतरी के पीछे सबसे बड़ा कारण वही है, जिसे हम विकास का उत्सव कहकर नजरअंदाज करते आए हैं। जंगलों का विनाश इस पूरी प्रक्रिया की धुरी है। जब वृक्ष कटते हैं, तब केवल लकड़ी नहीं हटती, बल्कि कार्बन को रोकने वाली प्राकृतिक ढाल भी खत्म होती है। धरती की त्वचा नंगी होती जाती है और सूरज की तपिश सीधे उसके भीतर उतरने लगती है।

भारत जैसे देश में यह अपराध और अधिक गंभीर है, जहाँ जंगल केवल पर्यावरणीय इकाई नहीं, सांस्कृतिक स्मृति, जीवन पद्धति और सामाजिक संतुलन का आधार रहे हैं। इसके बाद भी बीते चार वर्षों में देशभर में 78,000 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को गैर-वनीय उपयोग के लिए स्वीकृति दी गई। यह आँकड़ा अपने आप में एक आरोप-पत्र है। मध्य प्रदेश में 17,393 हेक्टेयर, ओडिशा में 11,033 हेक्टेयर, अरुणाचल प्रदेश में 6,561 हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 5,480 हेक्टेयर और छत्तीसगढ़ में 4,092 हेक्टेयर वन क्षेत्र विकास परियोजनाओं के हवाले किया गया। इन संख्याओं के पीछे उजड़े जंगल, विस्थापित आदिवासी, सूखती नदियाँ और टूटता जैव-विविधता का ताना-बाना छिपा है और इसी बीच अरावली पहाड़ी को लेकर गढ़ी गई नई परिभाषा इस पूरे श्रृंखला के अधिकतर हिस्से के विनाश का प्रतीक बन सकती है। गौर करने वाली बात है कि यह पहाड़ियाँ उत्तर

भारत के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच रही हैं। रेगिस्तान के फैलाव को रोकना, भूजल को संजोना, प्रदूषण को थामना, ये सभी जिम्मेदारियाँ अरावली सदियों से निभाती आई हैं। खनन, रियल एस्टेट और तथाकथित विकास के नाम पर इन्हें खोखला किया जा रहा है। अरावली को नुकसान पहुँचाने का अर्थ दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के भविष्य को दाँव पर लगाना है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की संवेदनहीनता का प्रमाण है। इसके अलावा वनों को अक्सर पेड़ों की गिनती में समेट दिया जाता है। यह दृष्टि खतरनाक है। जंगल एक जीवित व्यवस्था हैं, जहाँ मिट्टी, पानी, हवा, कीट, पक्षी, जानवर और मनुष्य एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं।

एक पेड़ कटता है तो उसके साथ सैकड़ों जीवन-श्रृंखलाएँ टूटती हैं। पक्षियों के घोंसले उजड़ते हैं, मिट्टी की पकड़ कमजोर होती है, वर्षा का चक्र असंतुलित होता है। यही असंतुलन धीरे-धीरे बाढ़, सूखा और हीटवेव का रूप ले लेता है। वृक्षारोपण के अभियानों को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। कैमरों के सामने पौधे लगाए जाते हैं, आँकड़े जारी होते हैं, तस्वीरें वायरल होती हैं। एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियान भावनाओं को छूते हैं, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक कठोर है। जब एक ओर प्रतीकात्मक पौधारोपण होता है, दूसरी ओर लाखों पेड़ परियोजनाओं की भेंट चढ़ते हैं। यह संतुलन नहीं, एक छल है। पौधा लगाना तब सार्थक होता है, जब वह जीवित रहकर जंगल बने। संरक्षण के बिना रोपण केवल आत्मसंतोष की कवायद बनकर रह जाता है। विकास की मौजूदा परिभाषा सबसे बड़ा संकट है। सड़क, फैक्ट्री और मॉल को प्रगति का पैमाना मान लिया गया है। हवा, पानी और हरियाली को विकास की राह में बाधा समझा जाने लगा है। दिल्ली इसका सबसे भयावह उदाहरण है, जहाँ सांस लेना स्वास्थ्य जोखिम बन चुका है। तापमान हर साल नए रिकॉर्ड तोड़ता है, जल संकट स्थायी सच्चाई बन चुका है। यह स्थिति किसी प्राकृतिक दुर्घटना का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों की नीतिगत लापरवाही का नतीजा है।

ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि जंगलों का विनाश केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, यह सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी है। जंगल कटते हैं तो सबसे पहले हाशिए पर खड़े समुदाय उजड़ते हैं। आदिवासी अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान से वंचित होते हैं। विकास का लाभ कुछ गिने-चुने हाथों में सिमटता है और उसकी कीमत समाज का बड़ा हिस्सा चुकाता है। यह असमानता भविष्य के सामाजिक संघर्षों की जमीन तैयार करती है। समाधान की दिशा स्पष्ट है। विकास परियोजनाओं की स्वीकृति में वास्तविक पर्यावरणीय मूल्यांकन होना चाहिए। स्थानीय समुदायों की सहमति केवल कागजी औपचारिकता न बने। हर कटे पेड़ के बदले केवल पौधा नहीं, पूरा पारिस्थितिक तंत्र पुनर्स्थापित किया जाए। उद्योगों की जवाबदेही तय हो और पर्यावरण कानूनों को कमजोर करने की प्रवृत्ति पर रोक लगे। विकास और प्रकृति के बीच टकराव का विचार ही गलत है। दीर्घकालिक सोच के साथ दोनों का सहअस्तित्व संभव है। आज आवश्यकता है सजग नागरिक चेतना की। उस समाज की, जो अखबार की सुर्खियों से आगे देखकर असली खतरे को पहचान सके। बंदरों, हाथियों और भालुओं से डरना आसान है। उस आतंक का सामना करना कठिन है, जो फाइलों में छिपा रहता है और विकास का मुखौटा पहनकर जंगलों को निगलता है। जंगलों की खामोशी दरअसल एक चेतावनी है। यह खामोशी चीख बनकर उभरने से पहले सुनी जानी चाहिए। यदि आज दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें उस समय के रूप में याद रखेंगी, जब मनुष्य ने अपने ही घर की नींव काट दी। ऐसे में उपर्युक्त तथ्य और बातें केवल सूचना नहीं, एक आग्रह है सजग होने का, सचेत होने का और उस विकास को रोकने का, जो जीवन के विरुद्ध खड़ा दिखाई देता है। (स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

गिग वर्कर्स की हड़ताल

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुजुर्गों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी। इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है।

यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफएटी के बैनर तले की गई। आईएफएटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक खत में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है। टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां '10 मिनट डिलीवरी' का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था।

गौरतलब है कि इस साल की शुरूआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मकसद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार 'गिग वर्कर्स', 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' और 'एग्रीगेटर्स' कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुमार्ने आदि से पैसा आएगा।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

इजराइल और अमेरिका की दादागिरी को दुनिया के देशों की चुनौती

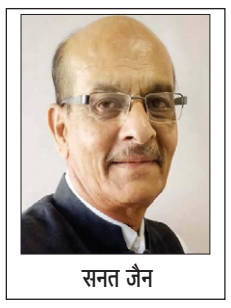

सनत जैन

वैश्विक व्यापार में स्वदेशी करंसी का महत्व बढ़ा...

वर्ष 2026 वैश्विक व्यापार को लेकर एक नई आधार शिला रखने की ओर आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। दुनिया के सैकड़ों मुल्क वैश्विक लेन-देन में डॉलर की एक ध्रुवीय व्यवस्था से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से सैन्य ताकत, आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव के जरिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अपने हितों के अनुसार संचालित कर एक अलग तरीके का दबाव बनाकर आतंक पैदा कर रहे थे। अमेरिका के साथ नाटो के देश भी इसमें शामिल हो जाते थे। अब यही रणनीति उनके लिए चुनौती बनती जा रही है। कई देश इस ह्लदादागिरीह्व के खिलाफ खुलकर खड़े होकर वैकल्पिक लेन-देन की व्यवस्था करने लगे हैं। जिसका असर अमेरिका के ऊपर स्पष्ट रूप से पड़ता हुआ दिख रहा है। डॉलर एवं यूरो मुद्रा का लेन-देन दिन-प्रतिदिन कम होता चला जा रहा है। मुद्रा का उपयोग अमेरिका और यूरोपीय समुदाय ने प्रतिबंध के लिए करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष ने अमेरिका और इजराइल की दोहरी नीति को दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है। एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की बातें की जाती हैं। वहीं दूसरी ओर अपनी सुविधा के अनुसार प्रतिबंध, एसेट फ्रीज और सैन्य हस्तक्षेप कर कई देशों के ऊपर दबाव बनाने की कोशिश की गई है। रूस के सेंट्रल बैंक के अरबों डॉलर के एसेट्स को फ्रीज करना इसी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। अमेरिका और यूरोप के देशों की इस कार्रवाई से न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर सवाल खड़े हुए, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी दिखा दिया गया, कि पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता किसी भी देश के लिए खतरे में डाल सकती है। इसी दादागिरी के कारण वैश्विक व्यापार में लोकल करंसी के उपयोग का महत्व तेजी से बढ़ा है। ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार अब डॉलर के बजाय स्थानीय मुद्राओं में बढ़ता चला जा रहा है। रूस-चीन के व्यापार का बड़ा हिस्सा रूबल और युआन में हो रहा है। वहीं पश्चिम एशिया में ऊर्जा व्यापार के लिए भी डॉलर के विकल्प की तलाश हो रही हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। इससे अमेरिकी और यूरोपीय देशों के प्रतिबंध के असर और जोखिम को सीमित करने की कोशिश लगभग 40 देशों में शुरू हो गई है। विभिन्न देश अपनी करंसी में व्यापार को महत्व देने लगे हैं। इसका एक बड़ा लाभ यह है, विकासशील देशों पर डॉलर का दबाव कम होता जा रहा है। मुद्रा की अस्थिरता का जोखिम भी कम हो रहा है। इस नई व्यवस्था से विभिन्न देशों को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने और सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों पर भरोसा बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वैकल्पिक भुगतान प्रणालियो में चीन का सीआईपीएस रूस का, एसपीएफएस और भारत का यूपीआई का प्रभाव तेजी के साथ वैश्विक व्यापार में बढ़ रहा है। जो अर्थव्यवस्था के बड़े बदलाव का संकेत है।

इजराइल-हमास युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में बार-बार वीटो का इस्तेमाल करने से वैश्विक असंतोष और विभिन्न देशों के बीच में असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। जिसके कारण डॉलर के स्थान पर मिश्रित मुद्राओं में वैश्विक व्यापार की नई शुरूआत हो गई है। ग्लोबल साउथ के देशों में यह धारणा बन चुकी है, कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं निष्पक्ष तरीके से अपना काम नहीं कर रहीं हैं। यही कारण है कि अब कई देश पश्चिमी दबदबे को चुनौती देने के लिए आर्थिक सहयोग और वैश्विक लेन-देन में मिश्रित मुद्राओं के जरिए लेन-देन करने की ओर बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर अमेरिका, यूरोपीय देश और इजराइल की आक्रामक नीतियों ने अनजाने में ही सही एक नई वैश्विक सोच को जन्म दे दिया है। लोकल करंसी में व्यापार का बढ़ता चलन यह दशार्ता है। दुनिया धीरे-धीरे एक अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। यह बदलाव कितना प्रभावी होगा, यह आने वाला समय तय करेगा। इस परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। वैश्विक व्यापार में डॉलर की पुरानी व्यवस्था अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही। दिन प्रतिदिन डॉलर को विभिन्न देशों से चुनौती मिल रही है। अमेरिका की साहूकारी में यह सबसे बड़ा झटका है। डॉलर मुद्रा के रूप में वैश्विक व्यापार होने से अमेरिका को बड़ी कमाई होती थी। अमेरिका की दादागिरी दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलती थी, लेकिन जब से रूस और चीन जैसे देशो से चुनौती मिलना शुरू हुई है। विशेष रूप से जब रूस जैसी महाशक्ति की मुद्रा को अमेरिका और यूरोपीय देशों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बता रूस की संपत्ति और मुद्रा को सीज कर प्रतिबंध लगाया, तो उसका भय सारी दुनिया के देशों में फैला। रही सही कसर इजराइल और फिलिस्तीन में गाजा युद्ध के दौरान जो दादागिरी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामने अमेरिका और इजराइल की रही उसने एक नई सोच को जन्म दे दिया है। आज विभिन्न देश आपस में यह तय करने में लगे हैं कि भुगतान किस-किस मुद्रा में कितने प्रतिशत में किया जाएगा। यूपीआई आ जाने के कारण अब वैश्विक व्यापार में लेन-देन यूपीआई के जरिए तुरंत होने लगा है जिसके कारण डॉलर मुद्रा को सारे विश्व से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। सभी दुनिया के देशों ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का भंडारण कम करके उसके स्थान पर सोने का भंडारण करना शुरू कर दिया है। जिन देशों के साथ उनके कारोबारी रिश्ते हैं। वह अपनी जरूरत के अनुसार विभिन्न मुद्राओं में भुगतान करके डॉलर से बच रहे हैं। इससे अमेरिका को दोहरा नुकसान हो रहा है। डॉलर में भुगतान होने के कारण अमेरिका की अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो लाभ हो रहा था। वह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंक में विदेशी मुद्रा में डॉलर को प्राथमिकता मिलने से डॉलर मजबूत होता था। अब डॉलर के स्थान पर सभी देशों के सेंट्रल बैंक सोने को मुद्रा के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिसके कारण अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से एक अलग आर्थिक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। अमेरिका का प्रभाव कम हो रहा है। यदि यही स्थिति आगे भी देखने को मिलती रही, तो अमेरिका की दादागिरी जल्द ही खत्म होने वाली है। जिस तरह से सोवियत रूस के हाल हुए थे, वही स्थितियां अब अमेरिका में बनने लगी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उत्तेजना में जिस तरह के निर्णय कर रहे हैं, उसके कारण वैश्विक स्तर पर अमेरिका की साख दिन प्रतिदिन कम होती चली जा रही है। वहीं अमेरिका के लिए आर्थिक चुनौतियां भी बढ़ती चली जा रही हैं।

देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

निर्मल रानी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गत 9 दिसंबर को कुछ स्थानीय युवकों द्वारा अगरतला (त्रिपुरा) के निवासी 24 वर्षीय अंजेल चकमा नामक एक छात्र पर जानलेवा हमला किया गया। हमले के बाद 17 दिनों तक अस्पताल में इलाजरत रहने के बाद गत 26 दिसंबर को आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। चकमा, देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र थे। खबरों के अनुसार देहरादून में अंजेल चकमा की मौत एक कथित नस्लीय हमले के कारण हुई। बताया जाता है कि 9 दिसंबर को जब अंजेल और उनके 21 वर्षीय छोटे भाई माइकल चकमा पास के सेलाकुई इलाके में किराने का सामान खरीदने गए थे उसी समय उनके चेहरों को देखकर हमलावरों ने उन्हें नस्ली गालियां दीं। बताया जाता है कि घटनास्थल पर करीब छह लोगों का एक समूह, जो पास में ही पहले से किसी के जन्मदिन का जश्न मना रहा था, ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उनपर नस्ली टिप्पणियां करते हुये उनपर चिंकी, चीनी और मोमो जैसी टिप्पणी की। जबकि एक आरोपी ने कहा कि ओये चीनी, क्या सूअर का मांस खरीदने आए हो? माइकल ने इसका विरोध किया, तो एक आरोपी ने उन्हें ब्रेसलेट से सिर पर मारा। अंजेल ने अपने भाई की रक्षा करने की कोशिश की और शांतिपूर्वक कहा, हम चीनी नहीं हैं... हम भारतीय हैं। क्या प्रमाण-पत्र दिखाएं कि हम भारतीय हैं? लेकिन नफरती संस्कारों में डूबे गुंडों के इस समूह ने हिंसक रूप से उनपर हमला कर दिया। यज्ञ अवस्थी नामक मुख्य आरोपी ने अंजेल की गर्दन और पीठ पर तेज हथियार से वार किया, जिससे वे गिर पड़े। माइकल भी घायल हुए, लेकिन उन्होंने अंजेल को पास के अस्पताल पहुंचाया। अंजेल की हालत गंभीर थी–उनकी गर्दन और स्पाइन में गहरी चोटें थीं–आखिरकार वे कभी पूर्ण चेतना में वापस नहीं आए और नफरत के सौदागरों ने एक होनहार भारतीय छात्र की हत्या कर उसके परिवार को अंधकार में धकेल दिया। निश्चित रूप से इस घटना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के खिलाफ उपजी नस्लवाद की समस्या को फिर से उजागर कर दिया है। इस घटना को लेकर त्रिपुरा सहित देश के विभिन्न राज्यों व शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

हालाँकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के विकास को लेकर तरह तरह की बातें करते रहते हैं, परन्तु हकीकत यही है कि गत कुछ वर्षों में इसी देव भूमि में सत्ता संरक्षित धर्म जाति आधारित नफरती घटनाओं में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के तौर पर अक्टूबर 2023 में उत्तराखंड के पुरोला कस्बे में एक 14 वर्षीय लड़की के अपहरण के बाद लव जिहाद का आरोप लगाकर हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काये गये। मुस्लिम मकानों व दुकानों पर लक्षित हमले किये गये, कई परिवार शहर छोड़कर भागने को मजबूर हुये। इसी तरह हल्द्वानी में 2024 की बनभूलपुरा में अवैध मदरसे और मस्जिद के विध्वंस पर पथराव, आगजनी और पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना सबसे प्रमुख रही, जहां 6 लोगों की मौतें हुईं। 2025 में भी कश्मीरपुर और हल्द्वानी में साम्प्रदायिक तनाव देखा गया। राज्य में दलितों के विरुद्ध भी अनेक घटनायें होती रहती हैं। परन्तु समाज में धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर बढ़ती नफरतों के बीच इस राज्य को देव भूमि के रूप में भी प्रचारित किया जाता है।

सवाल यह है कि उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय राज्य सहित देश के अन्य विभिन्न राज्यों में इस तरह के नफरत व हिंसा पैदा करने वाले हालात क्या अचानक पैदा हुए हैं या सत्ता के संरक्षण में इन नफरती संस्कारों को पोषित किया जा रहा है? उत्तराखंड की घटना के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा दिये गये बयान से यह काफी कुछ स्पष्ट हो जाता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ ऐसी घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं और समाज को भेदभाव रोकने के लिए एकजुट होना चाहिए। हम लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। हमें मिलकर भेदभाव को रोकना होगा। भारत के किसी भी हिस्से के लोगों को हर जगह सुरक्षित महसूस करना चाहिए। उनकी मृत्यु बेहद दुखद है। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा अपराध है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि ऐसी नफरत रातों रात पैदा नहीं होती। वर्षों से इसे रोजाना, खासकर हमारे युवाओं को, जहरीली सामग्री और गैर - जिम्मेदाराना खबरों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। किसी का भी मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। कोई भी घटना देश के लिए दुखद घटना होती है। अगर देश में ऐसी कोई भी घटना होती है तो पूरे समाज को मिलकर उसके खिलाफ लड़ना चाहिए। वहीं, राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी टिप्पणी में कहा कि हम प्रेम और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो साथी भारतीयों को निशाना बनाए जाने पर अनदेखी करे। हमें यह सोचने और सामना करने की जरूरत है कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं?

अफसोस की बात तो यह कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उत्तराखंड की घटना के बाद व्यक्त किये गये विचार उस समय सामने आये जब उनके अपने पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की नस्लवादी नफरती लोगों द्वारा हत्या कर दी गयी ? जबकि लगभग एक दशक से देश में जगह जगह अल्पसंख्यकों,दलितों व पिछड़े वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जाता रहा है। लिंचिंग की घटनायें घटित हो रही हैं। जगह जगह उन्मादी भीड़ पुलिस की शह पर वर्ग विशेष के लोगों को निशाना बनाती रही है। जगह जगह उकसाऊ भाषण हो रहे हैं। कहीं हथियार बांटे जा रहे हैं। तो कहीं संवैधानिक पदों पर बैठे लोग स्वयं अपने जहरीले बोलों से समाज में हिंसा व नफरत बढ़ा रहे हैं। निःसंदेह गोदी मीडिया भी इस नफरती वातावरण को और भी जहरीला बना रहा है। ऐसे में रिजिजू की चिंताओं के अनुसार भारत के किसी भी हिस्से के लोगों का स्वयं को हर जगह सुरक्षित महसूस करना कहां संभव हो पा रहा है? इस समय देश के समक्ष सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि आखिर देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Fertile politics, failed debate

On January 5, the Congress party will launch 'save MGNREGA' movement. The rural poor need all the help they can get. MGNREGA was enacted in 2005 and has helped millions. Yet, a generation later, why is that part of India not in reasonable shape?I believe the battle over MGNREGA is, by default, political. The Bharatiya Janata Party seeks to claim another mantle of beneficence, while the Congress refuses to relinquish its legacy. Both are indirectly admitting that they have failed in their mission to improve village life substantively.

The scheme guarantees 100 days of unskilled manual work per year to every rural household. Wages vary by state: Haryana pays the highest daily wage (?374), while Madhya Pradesh and Chhattisgarh pay the lowest (?234). Wages are funded entirely by the Centre, with material and administrative costs shared with the states.

Crucially, these wages are not equivalent to state-mandated minimum wages, which are higher. In Kerala, for instance, the minimum wage for construction work can exceed ?1,000 a day. This explains why the Bilaspur Express arrives weekly in Kerala, crammed with aspirants from Chhattisgarh. This migration persists despite the ever-present risk of violence, as witnessed in the recent lynching of migrant labourer Ram Narayan.

The BJP-led government is not formally 'repealing' the scheme—though it may consider excising Mahatma Gandhi from its name for political reasons. The Modi administration prefers to build parallel welfare systems, exemplified by the PM-KISAN, which provides direct cash transfers.

The popular narrative, however, suggests a simple swap is imminent—a misreading. The confusion begins with equating MGNREGA's value with PM-KISAN's ?6,000 grant. MGNREGA is a wage programme; its annual potential is the state-specific daily wage multiplied by 100 days.

The work, in theory, involves creating public assets like ponds and roads. In practice, it is often meaningless—how many ponds can one village dig? Are new roads being built gratuitously? Are the old ones finished? Is there reliable audit? A misplaced sense of grandiosity prevents us from categorising necessary tasks like caring for the elderly, clearing waste or planting trees as 'work'. So perhaps we end up digging the same ponds.

In contrast, PM-KISAN's ?6,000, is a fixed annual income supplement for land-owning farmers, not a wage. To mistake it for a substitute is to argue that a jugaad is the real thing.MGNREGA primarily serves rural households demanding manual labour. PM-KISAN supports land-owning farmer families. While their clientele overlaps for small farmers, a critical mass of India's poorest—the landless labourer—qualifies for MGNREGA but is excluded from PM-KISAN. Presenting cash transfers as a blanket replacement ignores this demographic chasm.Politically, the discourse has been simplified into a partisan clash. The Congress frames the threat as outright abolition. The BJP's rhetoric dismisses MGNREGA as a monument to Congress-era corruption while touting the 'efficiency' of direct bank transfers.

The true confrontation, however, is subtler. The government is not deleting MGNREGA from the statute books—that would be counterproductive. Instead, it is pursuing a strategy of parallel construction and asphyxiation by neglect. Politically, it pays to slowly choke a Congress-credited scheme rather than execute an immediate beheading.Equally importantly, it allows for the erection of a new welfare edifice stamped with the BJP's lotus symbol—or the face of Narendra Modi. A direct benefit transfer (DBT) means total control over the freebie.This model has administrative elegance: money moves from the treasury directly to a bank account, minimising bureaucratic intermediaries. Simultaneously, MGNREGA is likely to be subjected to budgetary constraints, chronic payment delays, and a narrative that paints it as a wasteful dole. The objective is not repeal but gradual marginalisation—making the DBT model so dominant that the work-based alternative seems anachronistic.

Look to the Northeast

Growing discontent, if not contained, can become a source of major instability in the region

DOWN the ages, India has been the target of countless invasions. It was an old civilisation with fabled riches, and kingdoms from Central Asia, Iran, Greece, etc. were forever trying to invade and loot India. The Ghoris, the Ghaznavis, the Abdalis, the Mughals… they came through the Northwest, the Khyber Pass or through Iran and present-day Pakistan. They looted, desecrated, massacred and in general laid waste the land that was full of riches but unable to defend itself.The Mughals went a step further and put down their roots here and ruled for centuries. However, our southern states and kingdoms, thanks to their remoteness, did not suffer these invasions, nor did any come from the sea for a long time. They carried on trade with the Near and Far East; what that trade eventually brought with it was a far more deadly invader in the form of the Europeans.

The northeastern kingdoms of old (Ahom, Meitei, Kachari, Tripuri, etc.) were for long in a constant state of conflict and unrest among themselves. These ancient fault lines were accentuated by the British and the classification they imposed. Added to this was the war and conflict with the Burmese kingdom.

It is the Northeast today which I would like to focus on for it is in this relatively remote corner of the Indian sub-continent that discontent grows which, if not contained, will become a source of major instability in the region. Nature abhors a vacuum and it is even more so when it comes to filling one of power and authority. What appears as a bushfire today when fanned by the 'elements' can become an uncontrollable blaze that could suck in vast resources and leave us weakened. It was this weakness that brought in invaders for centuries.

Today, the South is still safe except for rampant smuggling across the seas. We have the Coast Guard and the Navy to take care of this problem. The North and the Northwest have the continuing challenge of Pakistan across the Line of Control and China in Ladakh. Here the battle lines are old, and the people and our defence forces are used to the ebb and flow of the troubling tides of the invaders and infiltrators. Not to say that it isn't a dynamically evolving challenge, but one that perhaps over time has been constant in its presence.Coming to the Northeast, we must recognise the urgent and imminent danger of what we are likely to face on this front. For here today we have an unstable Myanmar as a neighbour, along with Bangladesh, an erstwhile friend but now very hostile to us. Regular statements are being given by senior ministers of the Bangladesh government for the need to isolate the northeastern states in India by fuelling insurgency and taking China's assistance.

Pakistan, with the covert help of the Chinese, is with them and providing men, material and moral support. Pakistan's Field Marshal Asim Munir has no qualms about voicing his ill will towards India and his desire for Kashmir. The minorities are under severe repression in Bangladesh and targeted killings are going on. The persistent looming presence of the Chinese Dragon is a threat which increases by the day.Pentagon reports indicate that Arunacal Pradesh is an area of core interest for China, just like Taiwan. The Chinese have been rapidly expanding their military facilities across the Arunachal border, including forward-area airbases and hangars. Villages have also been set up in the area. Do remember that we are eyeballed with the Chinese in the Ladakh region. China is continuously engaged in the process of locating areas where forward bases can be established.In the meantime, there have been reports of various ULFA elements moving base from China to Bangladesh and teaming up with other such forces. These elements would also encourage the remnants of such movements in West Bengal, Assam, Mizoram, Manipur and Tripura. We already have internal problems in the states which have aggravated in recent years.

For instance, Manipur has been torn apart due to the historical differences between the Meiteis and the hill tribes — Kukis, Nagas, etc. These hill tribes are also spread out in Mizoram, Meghalaya and Nagaland.

There is incessant violence in Manipur and a huge presence of the Army, paramilitary forces and the police. This problem needs to be resolved, and the forces should be given a clear plan of action. There are refugee camps in Mizoram, Meghalaya and Nagaland, indicating sympathy for the displaced tribes.Adding to the problem is the likelihood of internal insurgencies creeping up again with the active help of Pakistan, Bangladesh, China and Myanmar. It should be remembered that these insurgencies earlier had the support of the people. Normal political activity remained suspended in these areas for a long time, and it took decades of efforts by the military, diplomatic and civil administrations to bring these under control.Political action was made possible due to the joint efforts of these organisations. There are still some retired Army, civilian and police officers who remember many horror stories of those times. Much blood has already flowed over the decades — blood of our security personnel and our people living in these states. Let us now bring all our resources of the polity and civil society to bear on this problem lest we have to again take resort to arms. Let us face the enemy resolutely in whatever way is deemed fit, but let us not allow it to build on its mischievous designs.

The linking of Pakistan, Bangladesh, Myanmar and China is a fact and not a figment of the imagination. If not checked now, this will link up with the rebel forces and the situation will become even worse. Let us also remember that the US today pursues its own strategy — whether our interests align or not is of no consequence to the Americans. The time to act is now. Are we willing to recognise the challenge and meet it four-square? As Shakespeare wrote, "There is a tide in the affairs of men, which, taken at the flood, leads on to fortune…"

Unnao rape: Onus on Supreme Court to ensure justice

The Tribune Editorial: The Delhi High Court's order suspending Sengar's life term and granting conditional bail — till the pendency of his appeal challenging his conviction and sentence in the rape case — has triggered resentment.

THE Unnao rape survivor has pinned her hopes on the Supreme Court, which is set to hear the CBI's plea against the suspension of ex-MLA Kuldeep Singh Sengar's life sentence. This is not merely a procedural battle — it is a test of whether the justice delivery system can convincingly demonstrate that the rule of law applies equally to the powerful and the powerless. The Delhi High Court's order suspending Sengar's life term and granting conditional bail — till the pendency of his appeal challenging his conviction and sentence in the rape case — has triggered resentment. The CBI has referred to the SC verdict in the LK Advani case (1997), in which the court ruled that anyone who holds a public office, be it an MP or an MLA, would be deemed a public servant. The probe agency has contended that the high court erred by declaring that Sengar, a sitting legislator when the crime was committed in 2017, was not a public servant to be prosecuted under certain provisions of the POCSO (Protection of Children from Sexual Offences) Act.The case is intertwined with allegations of intimidation, custodial death and prolonged harassment of the survivor's family. In such circumstances, judicial decisions are not only about legal technicalities but also the message they send to society — especially to victims of sexual violence. The CBI's argument that holders of public office carry heightened responsibility is persuasive, legally as well as morally. A narrow interpretation of the law risks reinforcing the perception that political power can undermine accountability.

Equally troubling is the victim's unending ordeal. Her allegation that the investigating officer colluded with Sengar cannot be brushed aside. A zero-tolerance approach is the way forward for the judiciary, which must prioritise the need to protect rape survivors and uphold public trust.

G-Ram-G Act delivers a body blow to federalism

The success of MGNREGA was not in its execution but in its ideals

The new rural employment law was a bone of contention during the recent Winter Session of Parliament. While the NDA government is going all guns blazing to claim that the Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission Gramin (VB G-RAM-G) Act is a 'step up' from the two-decade-old Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA), here's a breakdown of how the new Act is indeed a 'step up' — in terms of uncertainty and delivering a body blow to federalism.Back in 2005, when the Manmohan Singh-led UPA government enacted MGNREGA, it did something that had never happened before in the domain of public policy in India. A welfare promise was made a justiciable right - a rather bold and exemplary move for a developing nation. Employment was not a favour extended by the State, but a legal guarantee that rural citizens could demand whenever they wanted, and the government was mandated to provide it. The VB G-RAM-G Act marks a decisive departure from that philosophy. It is not the citizen but the Centre that decides where, when and how employment will be provided — and to whom.

Among the most vociferous arguments made by the NDA in the new law's favour is the increase in the number of days for which work will be provided. While MGNREGA guaranteed 100 days of work per rural household, the new law promises 125 workdays, translating into 25 per cent increased financial security at first glance.While on paper this looks like an obvious, glossy upgrade, in reality the new Act is a conditional scheme without the same enforceable right. It is a discretionary law that can be expanded or withdrawn at the convenience of the government in power. So, don't be mistaken — there is no guarantee whatsoever. Hence the increase in the number of workdays becomes irrelevant.

The old Act ensured that the Centre bore 100 per cent of the wage cost, as it recognised that a national employment guarantee could not depend on the fiscal health of individual states. But the new law has conveniently passed the fiscal burden in a 60:40 ratio to the states. Any spending beyond the Centre's fixed allocation will now be borne entirely by states. So, my simple question is — how does the Centre expect poor states to shell out money from their own pockets to finance wages?If states have to fund a sizeable proportion of the remuneration, the most prudent course for them would be to cut the workforce rather than increase it. States will certainly not think of expanding the programme, they will try to limit it instead.MGNREGA was built as a demand-driven, open-ended programme. If a worker demanded employment, the State was legally bound to provide it within 15 days or pay an unemployment allowance. But now, as per the new law, employment is no longer triggered by demand but by Central notifications and normative allocations, an unjustified and absolute discretion by virtue of which the rulers in Delhi will decide if a rural household in Jharkhand, Odisha or Tamil Nadu deserves to get employment, and for how long.

MGNREGA empowered gram panchayats and gram sabhas as it tasked them with the planning and implementation of works. During the UPA rule, local communities were encouraged to participate and choose what works were relevant in their context, but under the new legislation the entire scheme will be monitored by a national council with very elaborate technological tools such as GIS (Geographic Information System) mapping, biometrics and AI-assisted audits. While technological advancements will significantly improve transparency, limiting local inputs will cripple grassroots governance.

The risk of implementing this scheme is most acute in Punjab due to the severe fiscal strain it is already under. Punjab's outstanding public debt has crossed Rs 4 lakh crore, with a debt-to-GSDP ratio of roughly 45 per cent, making it among the most indebted states in India.

Under MGNREGA, Punjab's ability to provide rural employment was insulated. But now, under the new law, every additional day of work will become a budgetary liability compounding woes for our treasury. When employment generation becomes contingent on a state's borrowing capacity rather than on citizens' needs, the constitutional promise of cooperative federalism is diluted. The introduction of mandatory pauses of up to 60 days during the peak agricultural season to be notified season-wise and area-wise further reduces access precisely when rural households need it.

While the intent may be to avoid labour shortage in agriculture, the blanket imposition of such pauses undermines the flexibility that made MGNREGA responsive to local realities.

The success of MGNREGA was not in its execution but in its ideals — that dignity of work is a right, not a discretionary grant; that the Centre must shoulder responsibility for national guarantees; and that local governments must have a meaningful say in planning and implementation. Any 'upgrade' or 'step up' that undermines such ideals needs careful reconsideration.

A stronger rural employment framework is undoubtedly needed. But strength does not lie in centralisation alone. It lies in trusting states, empowering local institutions and preserving the enforceability of rights. For Punjab, and for India's federal balance, that distinction will make all the difference.

FIEO welcomes Centre's MAS intervention to boost global market access for exporters

New Delhi.(Agency)

The Federation of Indian Export Organisations (FIEO) on Wednesday welcomed the Government of India's launch of the Market Access Support (MAS) Intervention under the Export Promotion Mission (EPM).

The FIEO stated that the move will strengthen India's export competitiveness by improving structured access to global markets, particularly for MSMEs and first-time exporters.

Approved by the union Cabinet on November 12, the MAS Intervention provides targeted financial and institutional support for buyer-seller meets, international trade fairs and exhibitions, reverse buyer-seller meets in India, and trade delegations to priority and emerging markets.The scheme is being implemented under the NIRYAT DISHA sub-scheme of the Export Promotion Mission.

In a statement, FIEO President S C Ralhan said the initiative marks a shift towards predictable and outcome-oriented export promotion, addressing long-standing market access challenges faced by smaller exporters.

He noted that the provision of a three-to-five-year advance calendar of international events will improve planning certainty for exporters and trade bodies, while mandatory MSME participation will help broaden India's export base.

Under the framework, the government has rationalised financial support ceilings and cost-sharing ratios, with preferential treatment for priority sectors and markets.

Exporters with overseas shipments of up to ?75 lakh in the previous year will also be eligible for partial airfare support, aimed at encouraging participation of new and small exporters in overseas trade events.

The scheme is fully digitised through the trade.gov.in portal, enabling online approvals, feedback, lead tracking and outcome measurement.

Industry bodies said this is expected to improve transparency, reduce transaction time and align export promotion activities with measurable business outcomes.FIEO also welcomed the introduction of proof-of-concept and product demonstration support for technology-driven sectors, stating that the MAS Intervention could play a key role in enhancing buyer engagement, market diversification and integration of Indian exporters into global value chains.

Sensex opens 180 points higher, Nifty above 26,150; ITC down 2%

New Delhi.(Agency)

Benchmark stock market indices opened higher on Wednesday, starting 2026 in green as auto and metal stocks gained in early trade but FMCG and pharma shares declined, limiting the gains.The S&P BSE Sensex was up 104.21 points to 85,324.81, while the NSE Nifty50 gained 28.60 points to 26,158.20 as of 9:25 am.Among the top five gainers, in early trade, IndiGo rose 2.09%, followed by Mahindra and Mahindra up 1.22%, Reliance Industries gaining 1.12%, Eternal adding 1.01%, and Larsen and Toubro rising 0.68%.ITC was the worst performer, falling 4.03%, followed by Bharat Electronics down 0.49%, Bajaj Finance slipping 0.40%, Sun Pharmaceutical Industries declining 0.29%, and Trent easing 0.27%.

Elior Group appoints Ashwani Vohra as Managing Director of Elior India

New Delhi.(Agency)

Elior Group, a global leader in contract catering and multiservices for business and industry, has appointed Ashwani Vohra as Managing Director of Elior India.

With more than 25 years of experience in food services, retail, hospitality, and large-scale operations management, Vohra will be responsible for driving Elior's growth strategy in India and strengthening operational excellence across the business.

A recognised business leader in the Indian market, Vohra has previously held senior leadership positions across several organisations, driving strong year-on-year profitable growth.

He is known for his ability to transform and industrialise operations, build client- and consumer-centric teams, and drive transformative growth through innovative and bespoke offerings, with nutrition, wellness, and sustainability at the core.

"We are delighted to welcome Ashwani Vohra to Elior India as Managing Director. His deep knowledge of the Indian market, his strategic vision, and his proven ability to grow and transform complex operations are major assets to support Elior's ambition in the region. His arrival marks an important milestone in strengthening our presence in India," said Daniel Derichebourg, Chairman and Chief Executive Officer of Elior Group.

Tarun Garg takes charge as Hyundai Motor India's first Indian MD & CEO

New Delhi.(Agency)

Hyundai Motor India Ltd on Thursday said Tarun Garg has officially assumed charge as its Managing Director & Chief Executive Officer (MD & CEO) from January 1, 2026.This is the first time an Indian national is heading Hyundai Motor India Ltd (HMIL), the Indian arm of South Korean auto major Hyundai Motor Company, since its inception 29 years ago.He succeeds Unsoo Kim, who is returning to a strategic role at Hyundai Motor Company (HMC), South Korea.

It is a testament to Hyundai Motor Group's confidence in India's leadership and India's growing strategic importance in the global automotive landscape, HMIL said in a statement.This leadership transition underscores Hyundai Motor Group's confidence in India's growth story and its strategic importance, setting the stage for a new era of innovation, resilience, and progress, it said.Garg's leadership will focus on four key pillars of future-ready strategy; people and market focus; customer-centric approach and 'Make in India, Made for the World' impetus."With over three decades of automotive experience, Garg brings in the right expertise to lead HMIL's second phase of growth in India," the company added.Commenting on his new role, Garg said,"My vision is to build on our strong foundation while accelerating HMIL's transformation towards sustainable growth, technological leadership, and unmatched customer delight." He further said,"Aligned with Hyundai's global vision of 'Progress for Humanity,' we will strengthen Hyundai's legacy and create meaningful mobility solutions that not only empower people but also connect communities and enrich lives."

Last year in October, HMIL board approved the elevation of Garg, who was its Chief Operating Officer, as Managing Director and CEO from January 1, 2026, as part of its succession planning.

New GST rates for sin goods from Feb 1! Tobacco & pan masala to attract 40% tax - check details

New Delhi.(Agency)

Tobacco products and pan masala products are set to face a new tax structure from February 1. This comes as the Centre rolls out additional excise duty and a health cess, above the current GST rates. The new structure will replace the compensation cess which is applied on 'sin goods.'Tobacco and allied products will now attract an additional excise duty while pan masala will have a Health and National Security Cess.As per a government notification, pan masala, cigarettes, tobacco and similar products will be taxed at 40% under the Goods and Services Tax (GST) regime. Meanwhile, biris will attract an 18% GST rate. These GST rates will continue, but new levies will now be imposed separately.The finance ministry also notified the Chewing Tobacco, Jarda Scented Tobacco and Gutkha Packing Machines (Capacity Determination and Collection of Duty) Rules, 2026. The rules lay down the framework for determining production capacity and collecting duty from manufacturers of chewing tobacco and related products.The move follows Parliament's approval in December of two Bills that cleared the way for the new cess on pan masala manufacturing and the excise duty on tobacco products.

Extra excise duty on tobacco products, cess on pan masala to take effect February 1

The new levies on tobacco and pan masala will be imposed over and above the applicable GST rates. These measures will replace the GST compensation cess, which is currently charged at varying rates on sin products.

New Delhi.(Agency)

India will levy higher taxes on tobacco products and pan masala from February 1, 2026, as the government, on late Wednesday, notified a new excise duty and cess to replace the GST compensation cess, according to news agency .According to the notification, the new levies on tobacco and pan masala will be imposed over and above the applicable GST rates. These measures will replace the GST compensation cess, which is currently charged at varying rates on sin products.From February 1, pan masala, cigarettes, tobacco and similar products will attract a GST rate of 40 per cent, while biris will be taxed at 18 per cent under the GST framework.In addition to GST, a Health and National Security Cess will be levied on pan masala. Tobacco and tobacco-related products will attract an additional

excise duty, as notified by the Finance Ministry.The Finance Ministry on Wednesday also notified the Chewing Tobacco, Jarda Scented Tobacco and Gutkha Packing Machines (Capacity Determination and Collection of Duty) Rules, 2026. These rules lay down the mechanism for assessing production capacity and collecting duty from manufacturers of chewing tobacco, scented tobacco and gutkha.

PARLIAMENTARY APPROVAL IN DECEMBER

The government's move follows parliamentary approval in December of two Bills that allow the levy of the new Health and National Security Cess on pan masala manufacturing and an additional excise duty on tobacco products.With Parliament clearing the legislation, the Centre was required to notify the date from which the new tax regime would take effect. The government on Wednesday formally notified February 1, 2026, as the implementation date.

GST COMPENSATION CESS TO END

As part of the overhaul, the existing GST compensation cess on tobacco and pan masala will cease to apply from February 1. The compensation cess was originally introduced to offset revenue losses suffered by states after the rollout of GST.By replacing it with a combination of cess and excise duty, the Centre is reshaping the taxation framework for tobacco and pan masala, while continuing to impose a high tax burden on products it classifies as harmful to public health.

Cigarette Excise Duty Hike: ITC Stock Declines To 21-Month Low On Block Deal, Tariff Rise

New Delhi.(Agency)

Shares of ITC Ltd slipped to their lowest level in nearly two years on Thursday, January 1, weighed down by the government's notification of higher taxation on cigarettes and tobacco products, along with a large block deal in the counter.The decline followed a notification by the Finance Ministry that cigarettes, tobacco and bidis will attract an effective 40% GST from February 1, 2026. This includes the standard 28% GST rate, with excise duty and National Calamity Contingent Duty (NCCD) being subsumed into the new structure. Market participants are now assessing whether the move results in any additional cess or duty and what the overall tax burden on cigarettes will look like once the changes come into force.Sentiment was further hit by a sizeable block deal executed earlier in the session, where more than 4 crore shares of ITC changed hands. The transaction represented around 0.3% of the company's outstanding equity. Shares were traded at an average price of about Rs 400 apiece, taking the total deal

value to Rs 1,614.5 crore.Cigarettes remain a key profit driver for ITC. In the September quarter, the segment accounted for nearly 48% of the company's total revenue. Cigarette business revenue rose 6.7% year-on-year to Rs 8,722 crore, while volumes increased 6%, broadly in line with market expectations, which had pegged volume growth in the 5-6% range.The stock was trading 7.95% lower at Rs 370.06 as of 11:05 am on Thursday, January 1, 2026. ITC shares have fallen about 12% in 2025, marking their first year of negative returns since 2020. Thursday's decline pushed the stock back to levels last seen in March 2024 and marked its sharpest single-day fall in more than eight months.Shares of Godfrey Phillips India on Thursday also tumbled nearly 10% to trade at Rs 2,488 apiece on the NSE, as of 10:55 am. Godfrey Phillips India shares fell around 12 percent in the past five days, and around 16 percent in the past six months. The stock however jumped 48 percent in 2025. Its P/E ratio stands at 43.45, and market capitalisation at Rs 38,864 crore.

Tata Group sells off entire stake In Taj GVK Hotels to promoter shareholder

New Delhi.(Agency)

Tata Group-owned Indian Hotels Company Limited (IHCL), which runs the Taj chain of hotels, has informed the stock exchange in a regulatory filing that it has sold off its entire 25.52 per cent stake in Taj GVK Hotels & Resorts Ltd to its executive director and promoter-shareholder Shalini Bhupal for Rs 592 crore.IHCL stated in its filing that it sold its 25.52% stake, which equals 1.6 crore shares, to Shalini Bhupal for Rs 370 per share, officially ending its ownership relationship with Taj GVK Hotels & Resorts.Following the transaction, a termination agreement was executed between Shalini Bhupal, G Indira Krishna Reddy, Blue Moon Trust, Moonshot Trust, Starlight Trust, IHCL, and IHCL.

Consequently, the amended shareholders' agreement dated November 4, 2011, and the name and trademark license agreement dated November 22, 2007, between the company and IHCL, stand terminated, with all rights and obligations under both agreements cancelled and

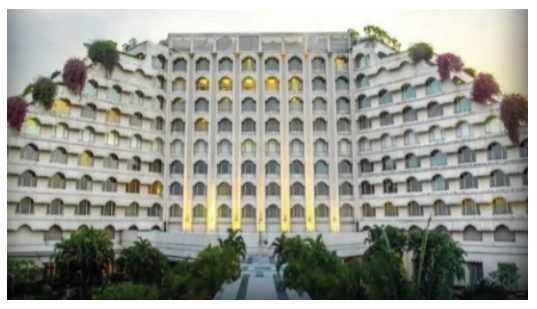

annulled.Accordingly, IHCL's nominee directors have stepped down from the board of Taj GVK Hotels & Resorts Ltd, effective December 30, 2025. Taj GVK Hotels & Resorts Ltd will now take necessary steps to change its corporate name by dropping the name 'Taj' from its corporate name in accordance with the termination agreement and adopt a new identity.IHCL clarified that it will continue operating the existing hotels under the current hotel operating agreements already in place.Following the stake sale, IHCL, Shalini Bhupal, members of the GVK promoter family and the company signed a termination agreement. Under this agreement, two key arrangements have been cancelled, the shareholders' agreement signed in 2011 and the name and trademark license agreement signed in 2007.Earlier in December 2025, Tata Group-owned IHCL had announced that it would convert its joint venture with the GVK-Bhupal family into a long-term management model.The GVK-Bhupal family, which holds a 74.99% stake, will continue as the promoter of the company.

LPG Price Hike: Gas Cylinder Goes Up Rs 111 In New Year Shocker | Check New City-Wise Rates

Following the revision, a 19-kg commercial LPG cylinder in Delhi now costs Rs 1,691.50, up from Rs 1,580.50. Check the gas cylinder in other cities

New Delhi.(Agency)

The new year has begun with a spike in fuel costs, as the government on Wednesday increased the price of 19-kg commercial LPG cylinders by Rs 111, effective January 1. The hike is expected to push up operating costs for hotels, restaurants and small businesses across the country.

Following the revision, a 19-kg commercial LPG cylinder in Delhi now costs Rs 1,691.50, up from Rs 1,580.50. Prices have risen to Rs 1,795 in Kolkata from Rs 1,684, while in Mumbai, the rate has gone up to Rs 1,642.50 from Rs 1,531.No Change In Domestic LPG Cylinder Prices

There has been no change in the price of 14-kg domestic LPG cylinders, offering some

relief to household consumers. Domestic cooking gas prices remain unchanged across cities, ranging between Rs 850 and Rs 960.Currently, a domestic LPG cylinder costs Rs 853 in Delhi, Rs 852.50 in Mumbai, Rs 890.50 in Lucknow, Rs 860 in Ahmedabad, Rs 905 in Hyderabad, Rs 916.50 in Varanasi, and Rs 951 in Patna.

Revised Commercial LPG Rates In Other Cities

According to Indian Oil's website, the price of a 19-kg commercial LPG cylinder now stands at Rs 1,953.50 in Patna, Rs 1,691 in Noida, Rs 1,814 in Lucknow, Rs 1,696 in Bhopal, and Rs 1,708.50 in Gurugram.

LPG prices are influenced by multiple factors, including the Import Parity Price (IPP), global fuel rates, the rupee-dollar exchange rate, freight costs, insurance and local taxes. Variations in state-level taxes and logistics costs lead to differences in prices across regions.

Relief For Households: PNG Prices Reduced

Even as commercial LPG prices rise, households have received some relief. Indraprastha Gas Limited (IGL) has announced a reduction in domestic piped natural gas (PNG) prices in Delhi and the National Capital Region.Under the revised rates, domestic PNG will cost Rs 47.89 per SCM in Delhi. In Gurugram, the price has been lowered to Rs 46.70 per SCM, while consumers in Noida, Greater Noida and Ghaziabad will pay Rs 47.76 per SCM.

The revised PNG prices came into effect at the start of 2026 and are expected to ease the burden on household consumers.

Indore: 6-month-old dies as water contamination crisis deepens in cleanest city

The water contamination crisis in Indore's Bhagirathpura has claimed over seven lives and led to nearly 150 hospitalisations. However, locals claim the toll to be far higher.

New Delhi.(Agency)

India's cleanest city continued to grapple with a contaminated water crisis on New Year's Day after a six-month-old infant died in Madhya Pradesh's Indore. The water contamination crisis in Indore's Bhagirathpura has claimed over seven lives and led to nearly 150 hospitalisations. However, locals claim the toll to be far higher.On Wednesday, Sunil Sahu claimed that his six-month-old son started vomiting and developed symptoms of diarrhoea after consuming milk mixed with contaminated water. Sahu claimed the infant's condition deteriorated, and he died on Thursday despite medical treatment. The incident happened in the Marathi Mohalla. For days, residents have complained of dirty and foul-smelling water supply.

The family said the child was born after nearly 10 years of medical treatment. Sahu said his wife, Sadhna, was bedridden during the pregnancy period due to gynaecological complications.

Speaking to India Today, Sadhna said due to health complications, she was forced to feed the baby packaged milk mixed with water. She claimed that the water was contaminated, which eventually led to the death of her child. The family further alleged that their 10-year-old daughter has also been frequently complaining of stomach pain."I have lost my child. I don't know how many more children will suffer due to this dirty water," a teary-eyed Sadhna said.

SEWER LEAKAGE BEHIND CRISIS?

The Madhya Pradesh health department said at least 149 people have fallen ill after consuming contaminated water in the area. Chief Minister Mohan Yadav is scheduled to visit the affected family on Thursday.However, local reports claim more than 1,100 people have been affected in Bhagirathpura. A preliminary probe suggested that drain water entered the drinking water pipeline due to leakage. Indore draws its water from the River Narmada through pipelines.

"Sewer leakages lead to such incidents, will ensure such negligence will be avoided in future," Chief Minister Yadav said. So far, the state has suspended a zonal officer from the civic body and an assistant engineer in Bhagirathpura.On Thursday, Minister Kailash Vijayvargiya announced a compensation of Rs 2 lakh each to the families of those who have died.

"The number of patients arriving has decreased since yesterday. Since last night, 60 patients have arrived... This is a settlement of economically weaker sections, so we have ensured that no one has to spend money on treatment," he said.

Vijayvargiya said the source of the contaminated water had been identified and urged residents to boil water before consuming.

Air India pilot offloaded after smell test just before takeoff in Canada

An Air India flight from Vancouver to Delhi was delayed on December 23, 2025, after Canadian authorities questioned a pilot's fitness for duty. The airline replaced the pilot and launched an investigation, stating safety is its top priority.

New Delhi.(Agency)

An Air India pilot was offloaded before take-off in Vancouver on December 23 after Canadian authorities raised concerns over a suspected "smell," prompting further checks. The incident, which took place on December 23, 2025, resulted in a delay for passengers on board flight AI186.According to reports, a staffer at the Vancouver airport allegedly saw the pilot "sipping on wine" or buying liquor, following which the employee to the authorities. In response, a breathalyser test was conducted, in which he failed, leading to his offloading from the flight.Canadian officials specifically cited concerns over the pilot's ability to perform duties safely, following which the individual was taken for further enquiry.

"In accordance with safety protocols, an alternate pilot was rostered to operate the flight," an airline spokesperson said, adding that process of identifying and assigning a replacement pilot required additional time, contributing to the overall delay of the flight.Despite the inconvenience, the airline reiterated that these steps were necessary to ensure all safety requirements were met before takeoff.

Air India apologised for the inconvenience and affirmed its cooperation with Canadian officials."Air India regrets the inconvenience caused to its passengers and is fully cooperating with the local authorities," the spokesperson said.

Passengers were provided with refreshments and support during the wait, and the airline assured them that their safety and comfort remained a priority throughout the incident.

Pending the outcome of the ongoing investigation, the pilot has been removed from flying duties, Air India confirmed."Air India maintains a zero-tolerance policy towards any violation of applicable rules and regulations."

Commercial LPG Cylinder Price Hiked By Rs 111, Domestic Rates Unchanged

Following the price hike, the retail sale price of a 19 kg commercial LPG cylinder in Delhi now stands at Rs 1,691.50.

New Delhi.(Agency)

The price of commercial LPG cylinders has been increased with effect from Thursday, January 1, bringing some pressure on costs to hotels, restaurants and other commercial users at the start of the new year.Oil marketing companies have raised the price of the 19 kg commercial LPG gas cylinder by Rs 111 with immediate effect. Following this revision, the retail sale price of a 19 kg commercial LPG cylinder in Delhi now stands at Rs 1,691.50.Along with the increase in commercial LPG rates, the prices of 5 kg Free Trade LPG (FTL) cylinders have also been raised. The cost of the 5 kg FTL cylinder has gone up by Rs 27, effective January 1.

However, there is relief for household consumers as there has been no change in the prices of domestic LPG cylinders. The rates of the 14.2 kg domestic LPG cylinder remain unchanged, providing stability in cooking gas prices for families.

The revision in commercial LPG prices is significant for sectors that rely heavily on such cylinders, including eateries, catering services and small businesses, as fuel forms a major component of their operating costs.The unchanged domestic LPG prices, meanwhile, ensure that household budgets are not impacted by the latest revision.In August, Union Petroleum Minister Hardeep Singh Puri hailed the Centre's recent decision to pay Rs 30,000 crores to oil companies in 12 parts, which has kept prices of Liquefied Petroleum Gas stable in the country.

The Union Cabinet, on August 8, led by Prime Minister Narendra Modi, has approved a compensation of Rs 30,000 crore to be paid in twelve parts to oil companies that have kept LPG prices stable despite global uncertainty.The new rates of commercial cylinder are applicable from January 1 and will remain in force until further revision by oil marketing companies.

New Year Celebrations Sweep Across India Amid Tight Security

New Delhi.(Agency)

India welcomed the New Year with grand celebrations, countdown parties and festive gatherings, as state governments across the country stepped up security measures to ensure that the celebrations passed off smoothly and without incident.

In major metropolitan cities, including Delhi and Mumbai, large crowds thronged iconic landmarks such as India Gate, Connaught Place and Marine Drive to usher in the New Year, creating a vibrant and festive atmosphere.

Meanwhile, authorities across the country issued traffic advisories, guidelines for restaurants and hotels, and deployed additional security forces in anticipation of massive footfall in public places.

Despite chilling conditions in Delhi, Connaught Place and Vasant Vihar saw a steady influx of revellers, with families and groups gathering in markets and open spaces ahead of the New Year celebrations.

Speaking to IANS in Connaught Place, a tourist said, "I have come from Punjab to celebrate the New Year here, and I hope this year is good for everyone."

"It is cold, but we are happy to welcome 2026 here with our friends," another said.Officials said that in areas expecting heavy crowds in the national capital, the police put comprehensive security arrangements in place to prevent any untoward incidents and to maintain law and order.

Security arrangements on the ground in Delhi were closely monitored by several senior officials, including six Assistant Commissioners of Police and one Additional Deputy Commissioner of Police. As many as 1,469 police personnel were deployed across Delhi's West District alone to ensure public safety during the celebrations.In Rajasthan, stringent traffic safety measures were also implemented, including the setting up of checkpoints, inspection of vehicles and strict action against those found driving under the influence of alcohol.In Maharashtra, eateries, restaurants, hotels, orchestra bars and pubs were permitted to operate till 5 a.m. on January 1 as part of the New Year celebrations.In Bengaluru, around 20,000 police personnel were deployed to ensure smooth New Year's Eve celebrations, as more than ten lakh people were expected to gather at various locations across the city for the festivities.

Even as people in the eastern parts of the world began bidding farewell to 2025, popular hill destinations such as Shimla and Manali witnessed a huge rush of tourists and revellers, braving the biting cold to ring in the New Year amid the mountains.

Centre's Fiscal Deficit Crosses 62% Of Full-Year Budget Target In November

New Delhi.(Agency)

The Centre's fiscal deficit at the end of November stood at Rs 9.76 lakh crore, or 62.3 per cent of the annual budget target for 2025-26, compared to 52.5 per cent in the year-ago period, according to government data released on Wednesday.

The Centre estimates the fiscal deficit (the gap between expenditure and revenue) during 2025-26 at 4.4 per cent of GDP, or Rs 15.69 lakh crore.According to data released by the Controller and Auditor General of India (CAG), the central government received Rs 19.49 lakh crore (55.7 per cent of the corresponding BE 2025-26 of total receipts) up to November 2025.

This comprised Rs 13,93,946 crore of tax revenue (net to Centre), Rs 5,16,366 crore of non-tax revenue and Rs 38,927 crore of non-debt capital receipts.

CGA data showed Rs 9,36,561 crore was transferred to state governments as devolution of share of taxes by the Centre during the period, a rise of Rs 1,24,498 crore year-on-year.

The total expenditure incurred by the Centre was Rs 29.26 lakh crore (57.8 per cent of the corresponding BE 2025-26), out of which Rs 22,67,700 crore was on revenue account and Rs 6,58,210 crore on capital account.Out of the total revenue expenditure, Rs 7,45,765 crore was towards interest payments and Rs 2,88,333 crore on account of major subsidies.

Commenting on the data, Aditi Nayar, Chief Economist with Icra, said the rating agency anticipates a shortfall of Rs 1.5 lakh crore in the Centre's gross tax revenues in the current fiscal relative to the FY2025-26 budget estimate (BE).

"Overall, we expect the potential miss on the taxes side to be offset by higher-than-budgeted non-tax revenues and sizeable expenditure savings .

Cigarette, Beedi, Pan Masala To Be Costlier From Feb 1 With New Tax, Cess

The new levies on tobacco and pan masala will be over and above the GST rate, and will replace the compensation cess which is currently being levied on such sin goods.

New Delhi.(Agency)

The government on Wednesday notified February 1 as the date from which additional excise duty will be levied on tobacco products, and a new cess on pan masala.The new levies on tobacco and pan masala will be over and above the GST rate, and will replace the compensation cess which is currently being levied on such sin goods.

From February 1, pan masala, cigarettes, tobacco and similar products will attract a GST rate of 40 per cent, while biris will attract 18 per cent Goods and Services Tax (GST), according to a government notification.

On top of this, a Health and National Security Cess will be levied on pan masala, while tobacco and related products will attract additional excise duty.

The Finance Ministry on Wednesday also notified the Chewing Tobacco, Jarda Scented Tobacco and Gutkha Packing Machines (Capacity Determination and Collection of Duty) Rules, 2026.

Parliament had in December approved two Bills allowing levy of the new Health and National Security Cess on pan masala manufacturing and excise duty on tobacco.

First Vande Bharat sleeper train to run from Guwahati to Kolkata, PM to flag off

Prime Minister Narendra Modi will soon flag off the first Vande Bharat sleeper train on the Guwahati-Kolkata route, following the train's successful high-speed trial.

New Delhi.(Agency)

The first Vande Bharat Sleeper train will run on the Guwahati–Kolkata route, Railway Minister Ashwini Vaishnaw announced on Thursday, adding that Prime Minister Narendra Modi will flag off the service in the coming days. The significant launch comes after a series of successful trials and is expected to enhance overnight travel options in the region.

Addressing a press conference, Vaishnaw said the new service is anticipated to benefit not only business travellers but also families, students, and tourists seeking a faster and more reliable overnight journey between the two major cities.

"The testing and certification of the Vande Bharat Sleeper train have been completed, and its first proposed route is Guwahati-Kolkata. Prime Minister Modi will flag off the inaugural service on this route in the coming days. This achievement marks a major milestone, as the Vande Bharat Sleeper will offer passengers world-class facilities, enhanced safety, and a modern travel experience for long-distance overnight journeys," he said.

The final high-speed trial of the indigenously built Vande Bharat sleeper train was recently completed on the Kota-Nagda section. During the trial, the train reached a speed of 180 kmph.The train will feature a total of 16 coaches, including 11 three-tier AC coaches, 4 two-tier AC coaches, and 1 first AC coach. The train will have a total passenger capacity of 823 -- 611 in 3AC, 188 in 2AC, and 24 in 1AC.

Fares for this service have been announced: the 3AC fare will be approximately Rs 2,300, including food. The fare for 2AC is expected to be around Rs 3,000, while First AC will cost about Rs 3,600.Passengers will benefit from several upgraded features, such as ergonomically designed berths with improved cushioning, automatic doors with vestibules, and enhanced ride comfort due to superior suspension and noise reduction measures.

The train's design emphasises passenger safety and comfort throughout the journey. Spacious interiors, modern lighting, and user-friendly amenities are expected to set a new benchmark for overnight train travel in India.

The Vande Bharat sleeper is also equipped with the Kavach anti-collision system and an emergency talk-back system for added safety.Additionally, the coaches include disinfectant technology to maintain high standards of sanitation, and the driver cab features advanced controls and safety systems.The train also boasts an aerodynamic exterior and automatic exterior passenger doors.

NEWS BOX

Cities around the world welcome 2026 with thunderous fireworks and heightened security

WORLD. (Agency)

From Sydney to Paris to New York City, crowds rang in the new year with exuberant celebrations filled with thunderous fireworks or light shows, while others took a more subdued approach.As the clock struck midnight in Japan, temple bells rang and some climbed mountains to see the year's first sunrise, while a light show with somersaulting jet skis twinkled in Dubai. The countdown to 2026 was projected onto the Arc de Triomphe in Paris, while in Moscow people celebrated in the snow.

In New York City's Times Square, revelers braved frigid temperatures to celebrate with the famed New Year's Eve ball drop.In Rio de Janeiro, revelers packed more than 4 kilometers (2 1/2 miles) of the city's Copacabana Beach for concerts and a 12-minute fireworks show, despite high tides that had both organizers and tourists worried and large waves that rocked barges carrying fireworks.Other events were more subdued. Hong Kong held limited celebrations following a recent fire at an apartment complex that killed 161 people. Australia saluted the new year with defiance less than a month after its worst mass shooting in almost 30 years.

Ball drop in New York City

Crowds bundled up against the chilly temperatures cheered and embraced as the New Year's Eve ball covered in more than 5,000 crystals descended down a pole in Times Square.Revelers wearing tall celebratory hats and light-up necklaces had waited for hours to see the 12,350-pound (5,602-kilograms) ball drop. The festivities also included Tones and I performing John Lennon's "Imagine."

India Surpasses Japan. When It May Overtake Germany As 3rd Largest Economy

world . (Agency)

Before 2025 ended, India overtook Japan to become the world's fourth-biggest economy, with officials hoping to pass Germany within the next three years, according to the government's end-of-year economic review. Data shows that India's nominal gross domestic product (GDP) has reached $4.18 trillion, placing it in the fourth spot behind the United States, China and Germany.The official confirmation, however, depends on data due in 2026 when final annual GDP figures are released, with the International Monetary Fund (IMF) figures indicating that India will cross over Japan this year. IMF projections for 2026 put India's economy at $4.51 trillion, compared with Japan's $4.46 trillion.

"India is among the world's fastest-growing major economies and is well-positioned to sustain this momentum... With GDP valued at $4.18 trillion, India has surpassed Japan to become the world's fourth-largest economy and is poised to displace Germany from the third rank in the next two-and-a-half to three years, with a projected GDP of $7.3 trillion by 2030," the government's recently released report, titled "2025: A Defining Year for India's Growth", said. India's upbeat assessment comes despite economic worries after Washington in August hit New Delhi with huge tariffs over its purchases of Russian oil. The government asserted that India's continued growth reflects its "resilience amid persistent global trade uncertainties."

India became the world's fifth-largest economy in 2022, when its GDP overtook that of former colonial ruler Britain, according to IMF figures.

Zelensky Says Ukraine "10% Away" From Peace Deal

world. (Agency)

Ukrainian President Volodymyr Zelensky said Wednesday his country was "10 percent" away from a deal to end the war with Russia, but cautioned that the most important issues were unresolved and warned against rewarding Moscow.US-led efforts to end Europe's deadliest conflict since World War II have gained pace in recent weeks, but both sides remain at odds over the key issue of territory in a post-war settlement.Russia, which occupies around 20 percent of Ukraine, is pushing for full control of the country's eastern Donbas region as part of a deal -- but Kyiv has warned ceding ground will embolden Moscow.In his New Year's Eve address, Zelensky said his country wanted an end to the war but not at "any cost", and that any agreement needed strong security guarantees to deter Russia from invading again. The peace agreement is 90 percent ready. Ten percent remains. And that is far more than just numbers," Zelensky said in the address, posted on his Telegram account. "Those are the 10 percent that will determine the fate of peace, the fate of Ukraine and Europe," he added. Zelensky's speech came just hours after US officials, including top envoy Steve Witkoff, held a call with Ukrainian and European security advisers on the next steps to end the nearly four-year conflict.The war, now entering its fifth calendar year, has resulted in a tidal wave of destruction that has displaced millions and left entire Ukrainian cities in ruins.

Believe in victory'

President Vladimir Putin urged Russians to believe in victory in Ukraine during his annual New Year's Eve address, his fourth since the war began.

The Russian leader has consistently told his citizens that the military intends to seize the rest of Ukrainian land he has proclaimed as Russian by force if talks fail.

Eight dead in US strikes on alleged drug boats: US military

Taipei, which slammed the two-day war games as "highly provocative and reckless," said the manoeuvre failed to impose a blockade on the island.

WASHINGTON . (Agency)

The US military said Wednesday that eight people were killed in multiple new strikes on alleged drug boats, bringing the death toll in Washington's campaign against what it says are narcotics traffickers to at least 115.US Southern Command, which is responsible for American forces operating in Central and South America, announced two sets of strikes, which were carried out on Tuesday and Wednesday.

On Tuesday, "three narco-trafficking vessels traveling as a convoy" were targeted in "international waters," it said in a statement on X."Three narco-terrorists aboard the first vessel were killed in the first engagement. The remaining narco-terrorists abandoned the other two vessels, jumping overboard and distancing themselves before follow-on engagements sank their respective vessels," it said.Accompanying the statement, posted on X, was a video showing the vessels traveling together at sea and then hit by a series of explosions.

The exact location of the strikes was not immediately made clear. Previous strikes have taken place in the Caribbean or the eastern Pacific.The military said it had notified the Coast Guard to "activate the Search and Rescue system," without offering more details about the fate of those aboard the other boats.Hours later, it issued a second statement about strikes on two more vessels conducted on Wednesday, killing five people. Again, it was not clear where the strikes took place.

Since September, the US military has carried out more than 30 such strikes on what it says are boats used to smuggle drugs to the United States, without providing any concrete evidence that the targeted boats are involved in trafficking.International law experts and rights groups say the strikes likely amount to extrajudicial killings as they have apparently targeted civilians who do not pose an immediate threat to the United States.

In recent months, US President Donald Trump has waged a pressure campaign against Venezuela's leftist President Nicolas Maduro, accusing him of running a drug cartel.Maduro denies the allegation and has accused Washington of seeking regime change to gain access to the Latin American country's massive oil reserves.

Taiwan's president pledges to defend island's sovereignty after China's military drills

TAIPEI. (Agency)

Taiwanese President Lai Ching-te on Thursday vowed to defend the self-ruled island's sovereignty in the face of China's "expansionist ambitions," days after Beijing wrapped up live-fire military drills around the island."In the face of China's rising expansionist ambitions, the international community is watching to see whether the Taiwanese people have the resolve to defend themselves," Lai said in his New Year's address."As president, my stance has always been clear: to firmly safeguard national sovereignty, strengthen national defense and the resilience of the whole society, and comprehensively construct an effective deterrence and democratic defense mechanism," he added.

Lai's comments came days after China wrapped up live-fire drills around Taiwan featuring rocket launches, aircraft and warships. Beijing had expressed anger at a planned U.S. arms sales to Taiwan, as well as at Japan's

new leader's comments that Tokyo could intervene in the event of a Chinese attack on Taiwan.The planned arms sale, valued at more than $11 billion, is the U.S.'s largest so far to Taiwan. It includes missiles, drones, artillery systems and military software.

The United States is obligated by its own laws to provide Taiwan with the means to defend itself. China claims the self-ruled island as its own territory and threatens to annex it, by force if necessary.China's leader Xi Jinping on Wednesday reiterated those threats in his own televised New Year's address, calling an eventual annexation " unstoppable."Taiwan last year announced a special $40 billion budget for arms purchases, including to build an air defense system with high-level detection and interception capabilities called the Taiwan Dome.

The budget will be allocated over eight years, from 2026 to 2033, and comes after Lai already pledged to raise defense spending to 5% of the island's GDP, as part of his strategy amid China's threats of invasion."Facing China's serious military ambitions, Taiwan has no time to wait," Lai said.

Zelensky says deal to end war '10 percent' away

KYIV . (Agency)

Ukrainian President Volodymyr Zelensky said Wednesday his country was "10 percent" away from a deal to end the war with Russia, but cautioned that the most important issues were unresolved and warned against rewarding Moscow.US-led efforts to end Europe's deadliest conflict since World War II have gained pace in recent weeks, but both sides remain at odds over the key issue of territory in a post-war settlement.Russia, which occupies around 20 percent of Ukraine, is pushing for full control of the country's eastern Donbas region as part of a deal -- but Kyiv has warned ceding ground will embolden Moscow.

In his New Year's Eve address, Zelensky said his country wanted an end to the war but not at "any cost", and that any agreement needed strong security guarantees to deter Russia from invading again.

"The peace agreement is 90 percent ready. Ten percent remains. And that is far more than just numbers," Zelensky said in the address, posted on his Telegram account."Those are the 10 percent that will determine

the fate of peace, the fate of Ukraine and Europe," he added.Zelensky's speech came just hours after US officials, including top envoy Steve Witkoff, held a call with Ukrainian and European security advisers on the next steps to end the nearly four-year conflict.The war, now entering its fifth calendar year, has resulted in a tidal wave of destruction that has displaced millions and left entire Ukrainian cities in ruins.Believe in victory'President Vladimir Putin urged Russians to believe in victory in Ukraine during his annual New Year's Eve address, his fourth since the war began.The Russian leader has consistently told his citizens that the military intends to seize the rest of Ukrainian land he has proclaimed as Russian by force if talks fail.Addressing soldiers, whom he called "heroes", Putin said in his address: "We believe in you and our victory."The Kremlin said this week it would "toughen" its negotiating position on ending the war, after accusing Ukraine of launching dozens of drones at Putin's lakeside residence in the Novgorod region between Moscow and Saint Petersburg.

What to know about Trump administration freezing federal child care funds

All 50 states will be impacted by the review, but the Republican administration is focusing most of its ire on the blue state of Minnesota and is calling for an audit of some of its centers.

DHAKA . (Agency)

The Trump administration has said it is freezing child care funds to all states until they provide more verification about the programs in a move fueled by a series of fraud schemes at Minnesota day care centers run by Somali residents.All 50 states will be impacted by the review, but the Republican administration is focusing most of its ire on the blue state of Minnesota and is calling for an audit of some of its centers.Minnesota Democratic Attorney General Keith Ellison said in a statement Wednesday that he was "exploring all our legal options to ensure that critical childcare services do not get abruptly slashed based on pretext and grandstanding."

It is unclear how much more robust the verification process for states will be than it already has been.Deputy Secretary of Health and Human Services Jim O'Neill called the decision a response to "blatant fraud that appears to be rampant in Minnesota and across the country" in a social media post announcing the change on Tuesday.Here are some things to know about these moves:More verification needed for all states to get child care fundsAll 50 states will have to provide additional levels of verification and administrative data before they receive more funding from the Child Care and Development Fund, according to a U.S. Department of Health and Human Services spokesperson. However, Minnesota will have to provide even more verification for child care centers that are suspected of fraud, such as attendance and licensing records, past enforcement actions and inspection reports.In his social media post on Tuesday, O'Neill said all Administration for Children and Families payments nationwide would require "justification and a receipt or photo evidence" before money is sent, but the HHS spokesperson said Wednesday that the additional verifications only apply to CCDF payments.Walz says Trump is politicizing the issue

Minnesota Gov. Tim Walz, the 2024 Democratic vice presidential nominee, said in a social media post that fraudsters are a serious issue that the state has spent years cracking down on but that this is a political move that is part of "Trump's long game.

Trump joins criticism of Clooney's French passport

world .(Agency)

US President Donald Trump piled on criticism Wednesday of a decision to grant Hollywood superstar George Clooney French passports after a junior government official in Paris labelled the move a "double standard".An official decree seen by AFP on Monday showed that 64-year-old Oscar winner Clooney, his wife Amal Alamuddin Clooney and their two children had become French citizens.Trump, whose administration has backed anti-immigration parties in Europe, said that Paris was welcome to the "Ocean's Eleven" star, a long-term Democratic supporter, fundraiser and a vocal critic of the president."Good News! George and Amal Clooney, two of the worst political prognosticators of all time, have officially become citizens of France which is, sadly, in the midst of a major crime problem because of their absolutely horrendous handling of immigration," Trump said on his Truth Social network.

The news of Clooney and his family becoming French comes ahead of language requirements for citizenship being toughened for everyone else under new immigration rules from January 1.A junior member of President Emmanuel Macron's government had also criticised the decision to award passports despite Clooney speaking poor French.

"Personally, I understand the feeling of some French people of a double standard," Marie-Pierre Vedrenne, a junior interior minister, told the France Info radio station.

"We need to be careful about the message we're sending."Her boss, Interior Minister Laurent Nunez, and the foreign ministry however defended the decision.The civil code states that "French nationality may be conferred by naturalization, upon the proposal of the minister of foreign affairs, to any French-speaking foreigner who applies for it and who contributes through their distinguished service to France's influence and the prosperity of its international economic relations."But Clooney has admitted that his French remains poor despite hundreds of lessons.

Under the new immigration rules from Thursday, applicants will need a certificate showing they have a level of French that could get them into a French university. They will also have to pass a civic knowledge test.Clooney has a property in southern France and said he has hailed French privacy laws that keep his family

largely protected from international media intrusion."I love the French culture, your language, even if I'm still bad at it after 400 days of courses," the actor told RTL radio -- in English -- in December.

His wife, an international human rights lawyer and dual UK-Lebanese national, speaks fluent French.Meets the condition

Clooney bought the Domaine du Canadel, a former wine estate, near the Provence town of Brignoles, in 2021. He said it is where his family is "happiest".Nunez, the interior minister, said he was "very happy" with the actor and his family becoming French, saying the country was lucky to have them.

The French foreign ministry said the passport allocation for the Clooneys "meets the conditions set by law" for naturalisation.

The family "followed a rigorous procedure including security investigations, regulatory naturalization interviews at the prefecture, and the payment of tax stamps," the ministry added.It highlighted the Clooneys had a French home and they "contribute through their distinguished service to France's international influence and cultural prestige" through the actor's role in the film industry.

NEWS BOX

Injured Cummins, Hazlewood included as Australia announce squad for T20 World Cup 2026

NEW DELHI. (Agency)

Australia have named a 15-member squad for the 2026 T20 World Cup, starting on February 7 in India and Sri Lanka. Injured players like Pat Cummins, Josh Hazlewood and Tim David are included in the preliminary squad for the tournament.Cummins is currently recovering from a back injury and played only the third Ashes Test in Adelaide. The Test and ODI skipper is set to undergo a scan in January that will determine his availability for the T20 World Cup.David sustained a hamstring injury during a Big Bash League match on Boxing Day, while fast bowler Hazlewood missed the five-match Test series against England due to Achilles soreness after a hamstring injury."Pat Cummins, Josh Hazlewood and Tim David are tracking well and we are confident they will be available for the World Cup. This is a preliminary squad so should changes need to be made they will ahead of the support period," Chair

of selectors George Bailey said.All-rounder Cooper Connolly has also been included in the squad. He didn't play in the series against South Africa, New Zealand or India in 2025 and featured in just six T20Is. But has made a great start in the BBL for Perth Scorchers, scoring 170 runs at a strike-rate of 166.66 and also taking five wickets with an economy of 7.62.Mitchell Owen and Ben Dwarshuis missed out on the selection, while the selectors have also not included a second wicketkeeper option in the squad. Mitchell Marsh will lead the side, while Adam Zampa, Glenn Maxwell, Matthew Short, Matthew Kuhnemann, and Cooper Connolly are the spin bowling options.The Aussies will start their World Cup campaign on February 11 against Ireland, followed by group matches against Zimbabwe, Sri Lanka and Oman in Sri Lanka. They are also scheduled to play three T20I matches in Pakistan in late January as preparation for the World Cup.

Lalremsiami nominated for Arjuna Award

RANCHI. (Agency)

Indian women's hockey team forward Lalremsiami is set to become the first sportsperson from Mizoram to receive the Arjuna Award, according to sources. The award is expected to be announced in the coming days.

Popularly known as 'Siami', she made her senior debut in 2017 during a Test series against Belarus. Since then, she has played 177 international matches and scored 67 goals.A major milestone in her career came at the Tokyo Olympics in 2021, where India reached the semifinals under coach Sjoerd Marijne. Siami's late father had wanted to see her play at the Olympics, but he died in 2019 when she was playing at the Hockey Series Finals in Hiroshima. She continued in the tournament and later went on to make history in Tokyo, becoming the first woman athlete from Mizoram to compete at the Games.She has also represented India at two Commonwealth Games, winning bronze in Birmingham. She has been part of the teams that won a silver and a bronze at the Asian Games and has competed in two World Cups.While she has been more than impressive playing for the senior team, her accolades as a junior player are also

noteworthy. She won a silver at the 3rd Youth Olympic Games in 2018 and was awarded the FIH Rising Star of the year in 2019. However, none of this would have been possible had it not been for the likes of Miss Btei, who trained her at SAI Hockey Centre in Thenzawl, Mizoram. Later, she also trained at the National Hockey Academy in New Delhi.And these days whenever she isn't playing or isn't training in Bengaluru, she tries her best to give back to the community by training the kids in Mizoram.

2026: Sports-heavy year and aspirations

For India, 2026 assumes great significance because two of the most important multi-disciplinary events after the Olympics — Asian and Commonwealth Games — are scheduled in next 10 months. Indraneel Das tries to understand aspirations and expectation from sports federations for 2026...

Liverpool. (Agency)

In sports parlance, there is no respite. The year 2026 is going be a sports-heavy mind-boggling year that would give fans hardly any time to resuscitate. The year will begin with the Hockey India League (HIL), India Open badminton, T20 Men's World Cup followed by the ever-popular Indian Premier League until summer. This will be followed by planet's most-watched and followed sport – football World Cup in the US, Canada and Mexico. The Commonwealth Games, Asian Games, badminton world championships, the regular dose of football leagues, the F1, tennis Grand Slams…The lis goes on (please see our calendar).It's a heady year. For India, the year 2026 also assumes significance because of two of the most important multi-disciplinary events after the Olympics — Asian and Commonwealth Games. The sports ministry in consultation with the Indian Olympic Association has decided to send full-fledged team to the Asian Games because there are non-Olympic sports where India can win more medals.There are other reasons too. The truncated Commonwealth Games in Glasgow from July 23 to August 2 would have been just another Games, had it not for India hosting it in 2030 at Ahmedabad. There will be just 10 disciplines this time because of lack of budget and also time since Glasgow agreed to host after Victoria withdrew and other nations like Malaysia did not show interest. Of the 10 sports — athletics, swimming, basketball (3x3), netball, boxing, gymnastics, lawn bowls, track cycling, weightlifting, and judo (integrated with para-sports) — India are good in select sports. India dominated in weightlifting and won medals in boxing, lawn bowls, athletics and judo.

When it comes to Asian Games, India would want to show their continental supremacy in certain sports. Ahead of the Los Angeles Games in 2028, the stage would be perfect for players to test themselves and move ahead. For National Sports Federations and the Sports Authority of India, the monitoring and funding agency, it will be the best platform to assess and bring in changes as

required.One medal every event at Asiad for shooters

Shooting has been on an upwards curve and would be the sport to watch out for this year as well. Going by the National Rifle Association of India (NRAI) High Performance Manager Ronak Pandit, at least one medal in every event India participates would be the goal. In fact, shooting was one sport where the country excelled. Ronak says that it is a reflection of the process that has been in place for a while. For 2026, the bar has been set a bit higher and he hopes by the end of the year at least four shooters qualify for the Olympics."We have been doing quite well in Asian Games and going by our form in the last year, I would be hoping that India win medals in every event they participate," he tells this daily. He says that the trial process for the Asian Games will start from January and will continue till May. "This is an extremely important year because the Asian Games and the quota competition and World Championships both are in this year (end of the year). But it is very important that in the beginning you have to maintain your form so that you actually qualify to be in the team. First half of the year, you have to be in form to make it to the Asian Games. And second half of the year, you have to actually perform and deliver medals and Olympic quotas."Ronak believes with last year's work, everyone is quite prepared technically. "It's all about trusting whatever you've learnt and stick to a plan and planning is going to be extremely crucial this year," he says. As for his aspiration, he says, "I would like nothing less than a medal in every event in the Asian Games. In most of the Olympic events, we should win two medals in one event, like in the World Cup final and the World Championships also."

Destiny's child: Astrologer's daughter Vaishnavi Sharma has the makings of a star

NEW DELHI. (Agency)

Vaishnavi Sharma made her India debut in the first T20I versus Sri Lanka at Visakhapatnam on December 21, but her first real statement in national colours came on Sunday in Thiruvananthapuram. Two wickets for 24 runs in a match that saw 412 runs scored across 40 overs. On a placid surface and with a wet ball in hand, the 20-year-old left-arm spinner from Gwalior quietly carved a niche for herself.

Making an impact in her debut series was perhaps written in the stars for the daughter of an astrologer.In a match where the more celebrated Sree Charani struggled to find her rhythm, conceding 1 for 46 in four overs, Vaishnavi, playing her maiden international series, delivered her best performance so far. Her economical bowling and five wickets in the series has seen her emerge as a potential future star post the women team's ODI World Cup triumph last month.For her father, Dr Narendra Sharma, also a PhD in psychology, watching from home in Gwalior, his daughter's journey to the Indian team seems predestined.When Vaishnavi was born, Sharma studied her horoscope closely. What he saw then, he says, shaped her career path."When Vaishnavi was born, I made her horoscope. In her horoscope, there were strong indications for sports and also for becoming

a doctor," he says. "Had she chosen medicine, the whole city would have known her. But had she chosen sports, the whole world would know her," Sharma toldRelatives and neighbours made a beeline for the Sharma household to watch Vaishnavi play for India in the four T20 Internationals, two in Visakhapatnam and three in Thiruvananthapuram.

"Neighbours and relatives were around, the house was full. Everyone was happy," Sharma said.India captain Harmanpreet Kaur was eager for Vaishnavi to succeed.

"We were all waiting for that (Vaishnavi's) maiden wicket. Even though in the last game there were a few missed chances, today she bowled a very crucial over and picked up two wickets," Harmanpreet Kaur said this after the win in the second match in Visakhapatnam.After her horoscope showed the way, Sharma decided cricket was the sport for Vaishnavi and her older brother Ashendra."So when we decided to put her into sports, we chose cricket," Sharma adds. "From the age of four, her mother, her brother, and I started coaching her ourselves. I used to teach my son so that my daughter would feel motivated," he says.When the family lived in Gwalior's Sindhi Colony, Sharma took her to nearby grounds daily. That approach continued even when formal training began. Vaishnavi joined the Tansen Cricket Academy in 2021–22, a decision her father says was taken to provide structure and regular access to facilities.

Lovekesh Chaudhary, the coach at the academy, remembers seeing Vaishnavi when she was seven or eight years old, when her father first brought her to him. The early impression remains vivid.

Real Madrid's Kylian Mbappe sidelined with knee injury, doubtful for Supercopa

NEW DELHI. (Agency)

Real Madrid suffered a massive setback on New Year's Eve as French forward Kylian Mbappe was ruled out of the club's LaLiga clash against Real Betis, and is also doubtful for next week's Spanish Supercopa semifinal against Atletico Madrid.Mbappe suffered a sprained left knee in training, and according to the French publication L'Equipe, the forward is expected to be unavailable for at least three weeks. The Los Blancos will travel to Jeddah, Saudi Arabia, for the Supercopa semifinal against Atletico Madrid on January 9, ahead of a potential final against Barcelona or Athletic Club on January 11.Marca also reported that Mbappe might not travel with the team for the Supercopa semifinal in Saudi Arabia. His return for a Copa del Rey Round of 16 match the following week is also in doubt. The French international is currently the top scorer in LaLiga with 18 goals, and has also started in all 18 games of the season, so far.

He missed Madrid's Champions League clash

against Manchester City on December 19, but played for 90 minutes in the next three games leading up to Christmas. Earlier this month, he equalled Cristiano Ronaldo's club record with his 59th goal in the calendar year.

Real Madrid confirm Mbappe's injury

The club also released a statement, confirming that Mbappe suffered a sprain in his left knee and his progress will be monitored.Following tests carried out today by the Real Madrid Medical Services on our player Kylian Mbappé, he has been diagnosed with a sprain in his left knee. His progress will be monitored," the club said in a brief statement on its official website.Mbappe's injury is a massive setback for the Los Blancos as they are currently trailing LaLiga table toppers Barcelona by four points. Madrid have 42 points in 18 matches, while Barcelona have 46 points in 18 LaLiga Games.

Major sports events in 2026: FIFA World Cup, T20 World Cups, Commonwealth Games and more

Dubai. (Agency)

he year 2026 promises to be a blockbuster for sports fans across the world as several marquee events are lined up across different disciplines. From cricket, football, to athletics, the 2026 sports calendar will be packed with action and thrilling matches throughout the year.

Several global tournaments, multi-sport events and high-stakes matches are scheduled across the calendar. 2026 is going to be a landmark year in international sport. Popular sporting events like the FIFA World Cup, Commonwealth Games and the ICC T20 World Cup will take place this year.The men's T20 World Cup will begin on February 7 in India and Sri Lanka, while the women's T20 World Cup will start on June 12 in England and Wales. The 2026 FIFA World Cup is scheduled to start on 12 June in the USA, Mexico, and Canada. All four tennis Grand Slams are taking place in 2026, and the hockey World Cup is scheduled to be played in the Netherlands and Belgium from August 15.

Looking ahead to 2026: Can the big stars, from India's cricket teams to Lionel Messi and D Gukesh, defend their crowns

In this three-part series, The Indian Express team outlines what they look forward to in 2026

NEW DELHI. (Agency)

n the last three men's ICC events, India have been head and shoulders above the chasing pack. While they won two tournaments, staying unbeaten, their only loss in the 2023 home World Cup came in the final. In a month, they will gear up for another World Cup at home, this one in the T20 format. No team has ever before defended the title.

While it speaks about the magnitude of the challenge, India also has a chance to do what no Indian side has done before. For a team that is spoken about as the best, they haven't won two successive World Cups. With a dominant squad on paper, India have a golden opportunity in their hands to match what West Indies did in the 1970s, and Australia did in the 2000s. Getting to do it at home would make it all the more special.

Building on history

Even in the immediate aftermath of India finally breaking the barrier to win the ICC Women's World Cup, Harmanpreet Kaur's perspective didn't leave her. She said this should just be the start, not a one-off: India must make this a habit now.

The 2026 ICC Women's T20 World Cup starting in England from 12 June, would be the first opportunity to show the world if India can convert the magical triumph in Navi Mumbai into the foundation of a cricketing dynasty. It gives India the perfect chance, in conditions where they actually have fared well recently, to go from strength to strength. But mind you, after being dethroned from both their thrones in white-ball cricket. Australia would be gunning for it just as hard, if not more.

Messi-Ronaldo's big-stage showdown

Lionel Messi and Cristiano Ronaldo have cast football in their image this century, enriching and embellishing the sport. Their World Cup journey would conclude next year. Ronaldo

is 40, Messi is 38. There wouldn't be the mind and legs of another campaign. The Argentine has already realised his dream of lifting the World Cup in Qatar. The dream has remained elusive for Ronaldo. The 2026 edition would be his last shot.

Their intertwined destinies could twine for one last time. Portugal and Argentina could potentially meet in the quarterfinals in Kansas, provided they top their group and win the knockouts. One of the two great careers could end in tears. It would be both cruel and fitting, but an irresistible watch.

\Djokovic puts hopes on modern science

If you don't want Novak Djokovic to win his record 25th Slam in 2026, you can't be a true tennis fan. But can the 38-year-old break the Sinner-Alcaraz duopoly? If you doubt the Serb you can't be a true tennis fan. After a Slam-less year, Djokovic is re-constructing his team to further push his already stretched aging body.Joining it is Dr. Mark Kovacs, a new-age holistic sports coach whose website calls him a "performance expert in the area of optimising human performance through the application of cutting edge, evidence-based information". Djokovic's biggest challenge is to play 7 best-of-five Slam matches. So if modern science can help his body last the distance, the mind can do the rest. The Serb has hinted that the Australian Open could be his last Slam. If you are a true fan, you know those are just mind games.

Triptii Dimri

Hopes People Are Kinder In 2026, Says 'Bas Preet Hi Saath Reh Jaati Hai'

As 2025 is almost over, actress Triptii Dimri decided to reflect on the year gone by with a special social media post.Dropping a video compilation of some precious memories of 2025, Triptii revealed that all the ups and downs she faced this year helped her grow as a person and provided her with a little more clarity.

The Dhadak 2 actress expressed her gratitude for all the new experiences that came her way and also for all the people she met.For 2026, Triptii hopes for people to be a little kinder and choose things that actually matter, such as empathy, peace, and joy.

The Bulbbul actress penned a note on her IG that read, "Ending the year with a full heart… So many lessons… so many ups and downs… but also clarity… growth… and gratitude… Thankful for the new experiences… the people I met and worked with… the places I saw… and the memories I made with the ones I love… Manifesting double the joy in the year ahead… and hoping we can all be kinder and more loving towards one another, choosing empathy… peace… and joy Always…(sic)"

She decided to conclude the post on a profound note."After all… bas preet hi saath reh jaati hai," Triptii added.Work-wise, 2026 seems to be an extremely promising year for Triptii with an exciting lineup, including Sandeep Reddy Vanga's Spirit, where she will be seen sharing the screen space with Prabhas.

Produced jointly by Bhushan Kumar, Sandeep Reddy Vanga, and Pranay Reddy Vanga, Spirit will also feature Prakash Raj and Vivek Oberoi in pivotal roles, along with others.Refreshing your memory, the makers had initially considered Deepika Padukone for the female lead in the drama. However, due to disagreements over pay and working hours, the role eventually went to Triptii.Over and above this, she also has Vishal Bhardwaj's O Romeo, alongside Shahid Kapoor, in her kitty.

Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri Day 6: Kartik Aaryan's Film Sees Dip, Earns Rs 1.7 Crore

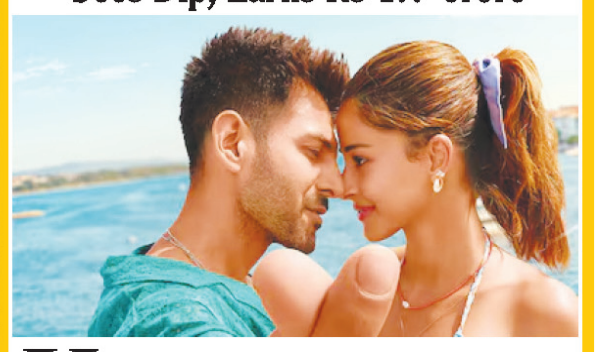

Kartik Aaryan and Ananya Panday's romantic film Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri (TMMTMTTM) struggled to retain momentum at the box office in its first week. The picture, which debuted over the holiday weekend, faced heavy competition from Aditya Dhar's action-packed Dhurandhar and James Cameron's Hollywood sci-fi epic Avatar: Fire and Ash, both of which drew significant audiences.According to preliminary estimates from industry tracker Sacnilk, TMMTMTTM collected Rs 1.75 crore on Tuesday, a considerable decrease from its opening day collection of Rs 7.75 crore. The film's total box office revenue is at Rs 27 crore.

The occupancy rate in Hindi circuits was a modest 20.04 per cent, with night shows generating the largest footfall at 28.13 per cent. Evening shows had a 22.35 per cent occupancy rate, afternoon shows 21.73 per cent, and morning shows only 7.96 per cent. The film's performance exemplifies the difficulties romantic dramas face in today's market, particularly when competing with high-profile movies.

Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri – Plot and Cast

Tu Meri Main Tera is produced by Karan Johar under Dharma Productions, with Adar Poonawalla, Apoorva Mehta, Bhumika Tewari and Namah Pictures' Shareen Mantri Kedia and Kishor Arora. The film is directed by Sameer Vidwans, who previously worked on Satyaprem Ki Katha (2023). It made its international theatrical debut on Christmas 2025. Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri is Kartik Aaryan's first venture with Dharma Productions and his second with Namah Pictures and director Sameer Vidwans after Satyaprem Ki Katha. On December 15, the filmmakers submitted a reworked version of their film to the Central Board of Film Certification. According to reports, the picture has an approved runtime of 145 minutes and 41 seconds.

Who Is Jiya Shankar? Actress Rumoured To Marry Fukra Insaan Aka Abhishek Malhan

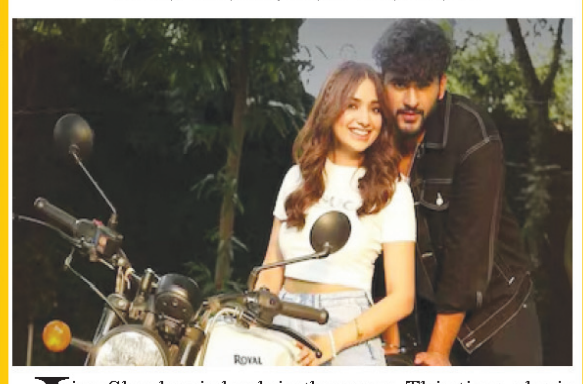

Jiya Shankar is back in the news. This time, she is rumoured to be getting married to Fukra Insaan aka Abhishek Malhan. On Tuesday, it was reported that the two have been dating each other and are planning to tie the knot soon. While Jiya has now dismissed all speculations, do you know who she is and why she is being linked to Abhishek Malhan? Let's find out.

Who Is Jiya Shankar?

Jiya Shankar has worked across mediums – television, films and web series. She began her acting career in 2013 with the Telugu film Entha Andanga Unnave. She then made her Tamil debut in 2017 with Kanavu Variyam. She also appeared in the Telugu romantic comedy Hyderabad Love Story (2018). In 2022, Jiya marked her Marathi film debut with Ved, which also starred Riteish Deshmukh and Genelia D'souza.

As far as her journey on Hindi television is concerned, Jiya's breakthrough came with the comedy-drama Meri Hanikarak Biwi, where she played Dr Ira Pandey. She later starred as Susheela (also called Sattu) in Kaatelal & Sons.

The show gained popularity for its gender-role themes. Later, Jiya also appeared in the supernatural drama Pishachini. She also participated in Bigg Boss OTT 2, where she was evicted just before the finale. Interestingly, Abhishek Malhan was also a part of the show.

Why Is Jiya Shankar Being Linked To Abhishek Malhan?

Jiya and Abhishek participated in Bigg Boss OTT 2 together. They even did a music video together, which further sparked their relationship buzz. However, in 2024, Jiya clarified that they had never been more than just friends.

"Saying this for ONE LAST TIME to whoever it concerns! I've got nothing to do with Fukra Insaan or these meme pages. We shared nothing but friendship, & even that no longer exists. I don't even follow any of these meme pages or have any knowledge of how this works.

I always assumed them making this sort of stuff for views, or I've no idea if someone pays for this s***, but if the blame comes on me with nasty comments on my character & family, then hear it, panda gang, I'M SELF MADE, LOUD & PROUD! I'm because of ME and not because of anyone else. Way above these CHEAP STUNTS! So stay in your lane & keep my mother's & my name out of your filthy mouths," she had written.

Hina Khan

Says 'Physical Intimacy Takes A Backseat In Relationships': 'More Than 13 Years With Rocky...'

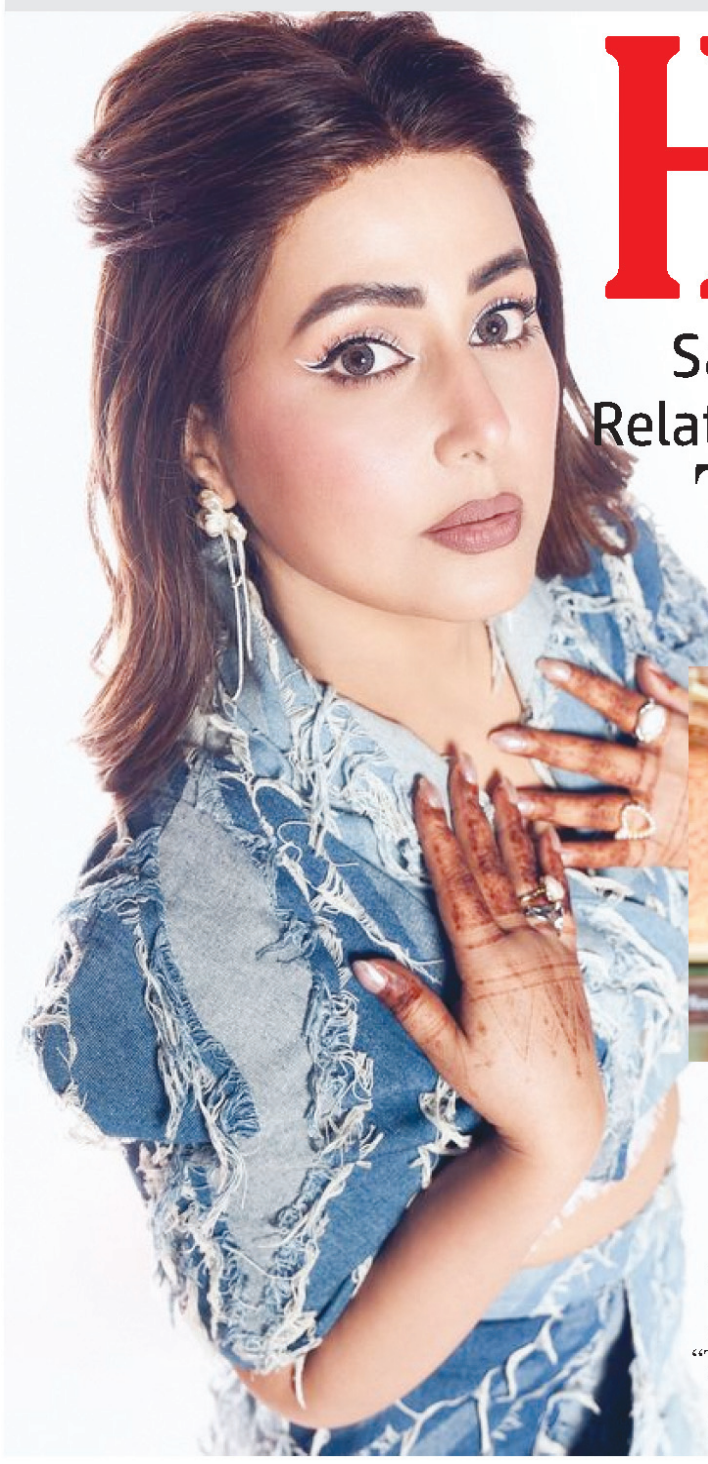

Television superstar Hina Khan has stated what intimacy means to her and has expressed her immense love and gratitude for her husband, Rocky Jaiswal, who never fails to make her feel special, even after 13 years of togetherness.The couple, who are on a vacation to the Maldives, have been sharing a lot of pictures and videos straight from their luxurious trip. In one video especially uploaded by Hina, you can see a romantic note written by Rocky for his lady love. The actress, who was overwhelmed by his gesture, took to her social media account to share how Rocky has been making sure to make her feel loved and special for the past 13 years of their relationship.

"This is one of his ways to express his love for me; it has been his love language for more than a decade now. He will leave such love notes for me wherever we travel in the world. Blessed," wrote Hina.She added, "It feels so nice when your husband acknowledges your efforts, loves you with the same intensity even after 13-plus years of togetherness, and, in fact, loves you more with each passing day."

The actress mentioned how she feels physical intimacy, after a long-term relationship period, takes a backseat, and then it is all the small and romantic gestures that make the relationship bloom."In my experience, physical intimacy takes a backseat in a relationship from time to time for multiple reasons: stress, workload, long distance, health, hormonal changes, responsibilities, and, in fact, sometimes a rough patch in a relationship… I'm not saying it's not important; it's equally important, but it does take a backseat many times in a relationship… especially if you have spent more than a decade with each other and weathered storms together," she wrote.

The actress further wrote, "What keeps a relationship going is emotional intimacy, choosing each other again and again and again… The urge to STAY no matter what… and it's always a two-way street… You will get what you give… It's that simple. It's been more than 13 years with @rockyj1. We have seen the best and the worst times together. Been through so much. But one thing never changed. Love and respect for each other."